मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 150
शनिवार, 14 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश, महाकुंभ की पूरी दुनिया में होगी चर्चा: पीएम मोदी

प्रयागराज, 13 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 2025 के महाकुंभ के लिए शहर के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार के लिए 5,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने से पहले संगम नोज पहुंचे और पूजा की। प्रधान मंत्री ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम पर औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ यात्रा शुरू की। पूजा से पहले मोदी ने नदी की यात्रा की। पूजा में प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

मोदी ने कहा कि प्रयागराज में संगम की इस पावन भूमि को मैं श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। महाकुंभ में पधार रहे सभी साधु-संतों को भी नमन करता हूं। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए दिनरात परिश्रम कर रहे कर्मचारियों का, श्रमिकों और सफाईकर्मियों का मैं विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया नगर बसाने के महा अभियान के माध्यम से प्रयागराज की इस धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। उन्होंने कहा कि इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं।

उन्होंने कहा कि ये केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है : 'माघ मकरगत रबि जब होई।

तीरथपतिहिं आव सब कोई।।' अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि ये वो स्थान जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। उन्होंने कहा कि गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामुहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले।

प्रधानमंत्री बताएं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है भारत : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 13 दिसम्बर। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है, जहां पिछले कुछ महीनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं को हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है।

ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में सुरक्षित हैं, लेकिन पड़ोसी देश में हिंदुओं का क्या? ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि भारत बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है।

आप विधायक नरेश बालियान को फिर से लगा झटका, राउज एवेन्यू कोर्ट ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आप के उत्तम नगर विधायक नरेश बालियानको कथित संगठित अपराध से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि पुलिस को उनकी आगे की रिमांड देने से इनकार कर दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश तब पारित किया जब बाल्यान को मामले में पहले दी गई सात दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया।

न्यायाधीश ने दिल्ली पुलिस की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में उसकी 10 दिन की अतिरिक्त हिरासत की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने बालियान की आगे की पुलिस हिरासत की मांग करते हुए कहा कि मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ की आवश्यकता है।

बालियान को मामले में पहले दी गई सात दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया था। विधायक को कथित संगठित अपराध मामले में 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अदालत ने पहले कथित जबरन वसूली मामले में उन्हें जमानत दे दी थी।

संविधान सुरक्षा कवच है, बीजेपी ने इसे तोड़ने का काम किया: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। लोकसभा में अपने पहले भाषण में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने मौजूदा सरकार पर भारत के संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान बोलते हुए, प्रियंका ने जोर देकर कहा कि सरकार के कार्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संविधान राष्ट्र की आवाज के रूप में कार्य करता है, इसके लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इन्हें (भाजपा) हारते-हारते जीतने से एहसास हुआ कि इस देश में संविधान बदलने की बात नहीं चलेगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि संभल के शोक संतप्त परिवारों के कुछ लोग हमसे मिलने आये थे। इनमें दो बच्चे भी थे- अदनान और उजैर। उनमें से एक मेरे बेटे की उम्र का था और दूसरा उससे छोटा, 17 साल का था। उनके पिता एक दर्जी थे। दर्जी का एक ही सपना था - वह अपने बच्चों को पढ़ाएगा, एक बेटा डॉक्टर बनेगा और दूसरा भी सफल होगा। पुलिस ने उनके पिता को गोली मार दी। 17 वर्षीय अदनान ने मुझसे कहा कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनेगा और अपने पिता के सपने को साकार करेगा। यह सपना और आशा उनके दिल में भारत के संविधान ने पैदा की थी

कांग्रेस नेत्री ने कहा कि हमारा संविधान 'सुरक्षा कवच' है। ऐसा 'सुरक्षा कवच' जो नागरिकों को सुरक्षित रखता है- ये न्याय का, एकता का, अभिव्यक्ति के अधिकार का 'कवच' है। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि 10 साल में बड़े-बड़े दावे करने वाले सत्ता पक्ष के साथियों ने इस 'कवच' को तोड़ने की तमाम कोशिशें कीं। संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा करता है। ये वादे एक सुरक्षा कवच हैं और इसे तोड़ने का काम शुरू हो गया है।' लैटरल एंट्री और निजीकरण के जरिए यह सरकार आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने अपने पहले भाषण में जाति जनगणना से भागने को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ₹जाति जनगणना समय की मांग है और इससे हमें नीतियां बनाने में मदद मिलेगी।₹ उन्होंने कहा, यह सरकार संविधान को कमजोर कर रही है।₹ उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि मेरे विपक्ष ने उस संविधान को तोड़ने की पूरी कोशिश की है जो हमारी रक्षा करता है। उन्होंने एकता को तोड़ना शुरू कर दिया है। चुनाव के दौरान जब विपक्ष ने जाति जनगणना कराने के लिए आवाज उठाई, तो वे मुद्दे से भटक गए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने महिलाओं को शक्ति दी। 'नारी शक्ति' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को अब कोई लाभ क्यों नहीं मिल रहा है, क्या उन्हें 10 साल तक इंतजार करना होगा। गांधी ने कहा कि सत्ताधारी दल सिर्फ अतीत की घटनाओं की बात करता है, भविष्य के लिए काम नहीं कर रहा है। सरकार किसानों को सुरक्षा देने और बेरोजगारी व महंगाई का समाधान देने में असमर्थ है। देश की जनता को भरोसा था कि संविधान हमारी रक्षा के लिए है।

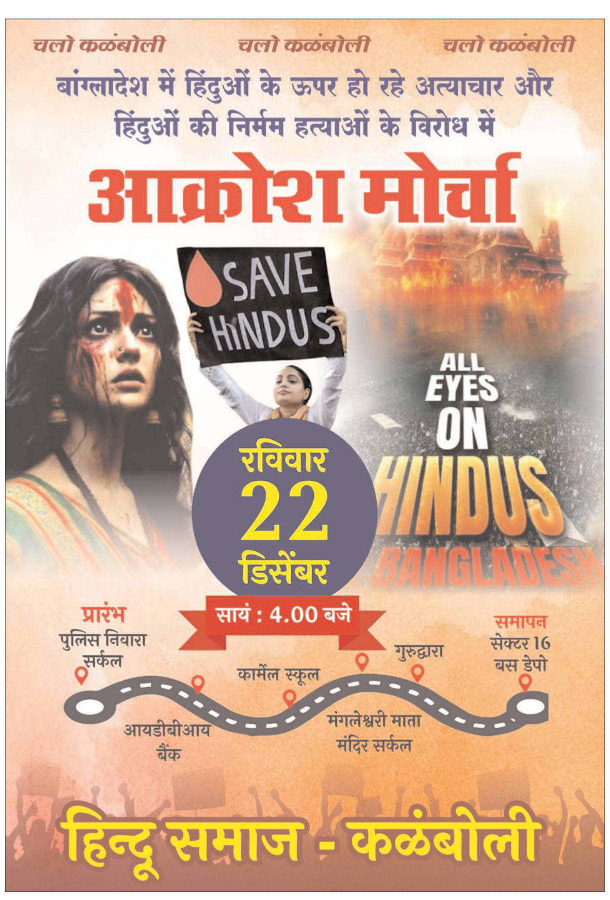

खराब किया जा रहा है देश का माहौल: अखिलेश यादव

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। लोकसभा में संविधान पर बहस को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार के फैसलों के कारण देश में असमानता बढ़ी है और कहा कि धर्मनिरपेक्षता को मजबूत किया जाना चाहिए। भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि यह संविधान हमारी ढाल है, हमारी सुरक्षा है, यह हमें समय-समय पर शक्ति प्रदान करता है। संविधान शोषित, उपेक्षित, पीड़ित और वंचितों के अधिकारों का सच्चा संरक्षक है।

सपा नेता ने कहा कि यह संविधान बहुत बड़ा सहारा है। हमारे जैसे लोगों और देश के कमजोर लोगों के लिए, खासकर ढउ्अ के लिए संविधान बचाना जीवन-मरण का सवाल है। उन्होंने दावा किया कि देश के अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उन पर हमला किया जा रहा है, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर इस तरह की घटनाएं जानबूझकर की गईं और विधानसभा उपचुनाव के समय लोगों को मतदान से रोका गया। यादव ने कहा कि संविधान ने ही विविधताओं से भरे इस देश को एक सूत्र में बांधकर रखा है। उनका कहना था कि संविधान 90 प्रतिशत पीड़ित और शोषित जनता का सबसे बड़ा संरक्षक है।

यादव ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक) के लिए संविधान जीवन और मरण का विषय है।

उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद जिस तेजी से असमानताएं बढ़ी हैं, वह अकल्पनीय है। देश के 140 करोड़ लोगों में से 82 करोड़ लोग सरकारी राशन पर गुजारा कर रहे हैं। जो देश को बताते हैं कि हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन रहे हैं। मैं उस सरकार को बताना चाहता हूं कि जब 82 करोड़ लोग सरकारी राशन पर जी रहे हैं और दूसरी तरफ देश की 2/3 संपत्ति सिर्फ कुछ परिवारों के कब्जे में है - अगर सरकार में साहस है। जब सरकार समय-समय पर अपना डेटा जारी करती है तो उसे यह डेटा भी जारी करना चाहिए कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों की प्रति व्यक्ति आय कितनी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने की कोशिश करके माहौल खराब किया जा रहा है।यादव ने कहा, मैं उच्चतम न्यायालय का आभार व्यक्त करता हूं कि उसने इस पर अंकुश लगाया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें गर्व है कि महिलाएं चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अपनी जान गंवाने से नहीं डरतीं।

“स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन”
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर सपा की हार के बाद अब आजम की नाराजगी

-अजय कुमार

जेल जाने से पहले तक समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की गिनती यूपी के बड़े मुस्लिम नेताओं के रूप में होती थी। मुलायम सिंह के वह सबसे खास हुआ करते थे। आजम के सहारे ही मुलायम सिंह मुस्लिम वोटरों को लुभाते थे। खासकर पश्चिमी यूपी में तो सपा के लिये आजम की राह पर चलना ही सबसे आसान तरीका समझा जाता था। सत्ता में रहते अखिलेश ने भी आजम को महत्व दिया,लेकिन योगी सरकार के आने के बाद आजम खान पर जब मुसीबतों का पहाड़ टूटा तो अखिलेश ने आजम को एक तरह से अकेला ही छोड दिया। जब तमाम नेता आजम से मिलने जेल पहुच जाया करते थे तब अखिलेश के मन में सीतापुर जेल में बंद अपने इस मुस्लिम नेता के प्रति वफादारी का भाव नहीं दिखा। यहां तक की अखिलेश द्वारा आजम के गृह जिला रामपुर के बारे में भी सियासी फैसले में उन्हें अनदेखा किया जाने लगा। इतना सब होते हुए भी आजम ने अखिलेश के खिलाफ कभी सार्वजनिक मंच से कोई बयान तो नहीं दिया,लेकिन दोनों नेताओं के बीच दूरियां सबको दिखने लगी थीं। जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम का सब्र जबाव दे गया। क्योंकि अखिलेश की अनदेखी ने आजम के गृह जनपद रामपुर के साथ-साथ पश्चिमी यूपी में उनके सियासी अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जिस तरह से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था,उसके बाद आजम की नाराजगी सपा प्रमुख के लिये मुसीबत का सबब बन सकता है।

मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन खिसकती देख आजम ने अब दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जेल में बंद अपने इस नेता को महत्व नहीं दिया तो अब आजम खान नई राह भी पकड़ सकते हैं,लेकिन आजम के लिये अलग होने की राह इतनी आसान नहीं है।क्योंकि इस बढ़बोले नेता को कोई बड़ी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती है। वैसे भी संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खां ने इंडिया गठबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिये लोगों के सामने रखा है। आजम के हवाले से पत्र में इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा है कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बबार्दी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बबार्दी पर इंडिया गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। सपा सूत्र बताते हैं कि रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाईं। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई। बहराल, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद ही आजम खान पर सियासी ग्रहण छाया हुआ है. आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान जेल में नहीं बल्कि सजा होने के चलते अपनी-अपनी सदस्यता भी गंवा चुके हैं. इसके अलावा उपचुनाव में रामपुर और स्वार टांडा सीट भी आजम परिवार के पकड़ से बाहर निकल चुकी है। आजम खान के समर्थकों को भी लगता है कि सपा और अखिलेश यादव ने उनकी लड़ाई को मजबूती से नहीं लड़ा। इसके अलावा आजम खान की मर्जी के बगैर रामपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतारा था, जितने जीत के बाद से आजम खान पर ही निशाना साधा था। जबकि जेल में बंद आजम खान से लोकसभा चुनाव के बाद से सपा का कोई बड़ा नेता मिलने नहीं गया। कुंदरकी में उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने जरूर रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात की थी, लेकिन जिस तरह आजम ने संभल के बहाने रामपुर और मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसके चलते माना जा रहा है कि यूपी की सियासत में कोई नई खिचड़ी पक रही है।

सबसे खास यह है कि अखिलेश यादव अपने इस मुस्लिम नेता को वैसे नहीं ह्यपचाह्न पा रहे हैं जैसे उनको नेताजी मुलायम सिंह यादव हैंडिल कर लिया करते थे। यह सच है कि कई बार आजम और मुलायम के रिश्ते की खटास देखने को मिल जाती थी,लेकिन दोनों एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंच से कुछ नहीं कहते थे।मगर सपा के मौजूद नेतृत्व और आजम के बीच कई बार नाराजगी की खबर सामने आई है। आजम कहा भी करते हैं कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव रिश्तों को निभाना काफी अच्छी तरह जानते थे। यही कारण था कि चाहे बेनी प्रसाद वर्मा हों या आजम खान, टकराव के बाद जब वे पार्टी से अलग हुए तो उन्होंने मुलायम के खिलाफ खूब कड़वी बात की। हालांकि, मुलायम ने कभी भी इन नेताओं के खिलाफ कोई बड़ा बयान नहीं दिया। आजम खान समर्थकों की ओर से अब अल्पसंख्यक हितों के मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल गहराने लगे हैं। यूपी चुनाव 2022 के दौरान जब सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अखिलेश नहीं चाहते, आजम खान जेल से बाहर आएं। इस पर आजम समर्थकों ने सहमति जाहिर की थी। यूपी में 2017 में सत्ता परिवर्तन के साथ आजम के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई थी। लेकिन, अखिलेश यादव ने कभी भी उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का खुलकर विरोध नहीं किया। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय सपा का कोर वोटबैंक माना जाता है, लेकिन उस पर नजर कांग्रेस से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक की है। मुस्लिम मतों के सहारे ही चंद्रशेखर आजाद नगीना सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहे हैं, जिसके बाद से उनकी नजर दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने की है। इसी मद्देनजर चंद्रशेखर आजम खान से लेकर मौलाना अरशद मदनी और मुस्लिम उलेमाओं व नेताओं के साथ अपनी सियासी केमिस्ट्री बनाने में जुटे हैं। ऐसे में आजम खान का संभल के बहाने मुस्लिम सियासत का मुद्दा उठाया है, उससे सपा की सियासी बेचैनी बढ़नी लाजमी है। आजम ने यदि अखिलेश से दूरी बना ली तो सपा के मुस्लिम वोट बैंक पर भी इसका असर पड़ सकता है।क्योंकि आज भी आजम की आवाज मुसलमानों के बीच गंभीरता से सुनी-समझी जाती है।

वन नेशन वन इलेक्शनः रिपोर्ट आने के बाद मोदी का सपना मूर्त रूप लेने को तैयार

अशोक भाटिया

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को दो बिल पेश करने को मंजूरी दे दी। इसमें एक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल एक साथ करने के लिए और दूसरा दिल्ली और अन्य केंद्र शासित प्रदेश विधानसभाओं के लिए समान संशोधन करने के लिए था। वन नेशन वन इलेक्शन बिल को आखिरकार केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। सूत्रों के अनुसार विधेयकों को मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। ज्ञात हो कि वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने गुरुवार (14 मार्च) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी । यह 18,626 पन्नों की है। इसमें कहा गया है- पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'एक देश, एक चुनाव' पर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क साधा था। इनमें से 47 ने जवाब दिया। 32 पार्टियो ने एकसाथ चुनाव कराने का समर्थन किया, 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका जवाब नहीं दिया। कांग्रेस, AAP, बसपा और CPI-M ने एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन किया। हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि लउ के 3 मुख्य न्यायाधीशों ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का विरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के प्रबल समर्थक माने जाते हैं। 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में कहा कि एक साथ चुनाव कराने को लेकर देशभर में बहस चल रही है। यह चर्चा लोकतांत्रिक तरीके से की जानी चाहिए। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अपने सपने को साकार करने के लिए हमें ऐसे अनेक नए विचार जोड़ने होंगे। गौरतलब है कि 1951 से 1967 के बीच लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। 1951-52 में आम चुनाव और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।1959 में सीपीआई नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था और राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। 1960 में केरल में विशेष राज्य चुनाव हुआ था, जिसके चलते 1962 में राज्य सरकार भंग नहीं हुई थी, जब आम चुनाव हुए थे। 1964 में केरल में दोबारा राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। फिर 1965 में चुनाव हुए थे लेकिन राष्ट्रपति शासन जारी रहा और 1967 तक चला, जिसके चलते केरल विधानसभा का चुनाव एक बार फिर आम चुनाव के साथ हुआ। 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से पहली बार एक साथ चुनाव होने का चक्र बाधित हुआ था। वहीं, चौथी लोकसभा भी समय से पहले भंग कर दी गई थी, जिसकी वजह से 1971 में नए चुनाव हुए। बता दें कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को सामान्य कार्यकाल से पहले भी भंग किया जा सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अब तक कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो चुके हैं। अप्रैल-मई 2019 से शुरू होकर अब तक कई राज्यों के चुनाव हुए। वर्तमान में हर साल करीब 5-7 राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं। बार-बार चुनाव होने की वजह से सार्वजनिक जीवन बाधित होता है।

2015 में कार्मिक, सार्वजनिक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने कहा था कि बार-बार चुनाव होने से सामान्य सार्वजनिक जीवन में व्यवधान होता है और जरूरी सेवाओं के कामकाज पर असर पड़ता है। राजनीतिक रैलियां करने से सड़क यातायात बाधित होता है और ध्वनि प्रदूषण भी होता है। मौजूदी चुनावी चक्र में शामिल प्रमुख प्रतिकूल प्रभाव चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण विकास कार्यों और शासन पर असर डालते हैं। बार-बार चुनाव होने के कारण सरकार और अन्य हितधारकों को बड़े पैमाने पर खर्च करना पड़ता है। काफी लंबे समय तक सुरक्षा बलों की तैनाती करनी पड़ती है।

आलोचकों की राय में एक साथ चुनाव कराने का विचार राजनीति से प्रेरित है। एक साथ चुनाव कराने से मतदाताओं का व्यवहार इस रूप में प्रभावित हो सकता है कि वे राज्य के चुनाव के लिए भी राष्ट्रीय मुद्दों पर मतदान करने लगेंगे। इससे संभावना है कि बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों में जीत हासिल करें। इससे क्षेत्रीय पार्टियों के हाशिए पर चले जाने की आशंका है जो अक्सर स्थानीय हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं।कुछ आलोचकों का मानना है कि प्रत्येक 5 साल में एक से ज्यादा बार मतदाताओं का सामना करने से नेताओं की जवाबदेही बढ़ती है और वे सतर्क रहते हैं। कुछ राजनीतिक दलों और 2015 में कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने एक बार में कराए जाने वाले चुनाव का समर्थन किया था।

एआईएडीएमके ने गहन विचार-विमर्श के साथ वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया था। असम गण परिषद का कहना था कि इससे छोटी पार्टियों पर वित्तीय बोझ कम होगा। आईयूएमएल के मुताबिक ऐसा करने से समय की बचत होगी। डीएमडीके ने लोकसभा और विधानसभाओं के निश्चित कार्यकाल वाले विचार का समर्थन किया। वहीं, शिरोमणि अकाली दल ने इस विचार का समर्थन किया लेकिन कहा कि त्रिशंकु विधानसभा होने पर स्पष्टता की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र के फैसले का कड़ा विरोध किया है । ममता बनर्जी ने आज दोपहर एक्स हैंडल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई हर जायज चिंता को नजरअंदाज करते हुए असंवैधानिक और संघीय-विरोधी एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक को अपना रास्ता बना लिया है। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ह्यएक देश, एक चुनाव व्यवस्था लागू करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दिये जाने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार चुनावी शुचिता पर उठ रहे सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी के रुख में कुछ बदलाव नहीं हुआ है। खरगे ने समिति को इस साल 17 जनवरी को पत्र लिखकर ह्यएक देश, एक चुनावह्न के विचार का पुरजोर विरोध किया था। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहले भी उनकी पार्टी ने चुनाव, चुनावी प्रणाली और चुनावी शुचिता से संबंधित कई सवाल उठाए है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 83 संसद के दोनों सदनों के कार्यकाल का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 83(2) लोकसभा के लिए इसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है, जब तक कि इसे पहले भंग न किया जाए। अनुच्छेद 172 (1) राज्य विधानसभा के लिए उसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है।क्या लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है? इसका जवाब है कि आपातकालीन स्थिति को छोड़कर किसी भी कीमत पर सदन का कार्यकाल बढ़ाया नहीं जा सकता है लेकिन इसे इसके कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग किया जा सकता है।

एक साथ चुनाव पर चुनाव आयोग ने पहली बार 1983 में सुझाव दिया था। उस वर्ष प्रकाशित भारत के चुनाव आयोग की पहली वार्षिक रिपोर्ट में इसका विचार आया था। विधि आयोग की ओर से 1999 में इसका विचार आया था। 1999 में न्यायमूर्ति बीपी जीवन रेड्डी की अध्यक्षता में भारतीय विधि आयोग ने चुनावी कानूनों के सुधार पर अपनी 170वीं रिपोर्ट पेश की थी। इसने चुनाव सुधारों के एक भाग के रूप में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। 2015 में कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में दीर्घकालिक (लंबे समय तक) सुशासन के लिए एक साथ चुनाव कराने का सुझाव दिया था और इसकी व्यवहार्यता की भी जांच की। 2017 में नीति आयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर एक रिपोर्ट तैयार की थी। 30 अगस्त, 2018 को जस्टिस बीएस चौहान की अध्यक्षता में भारत के विधि आयोग ने एक साथ चुनाव पर अपनी मसौदा रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में एक साथ चुनाव कराने से संबंधित कानूनी और संवैधानिक सवालों की जांच की गई। एक साथ चुनाव मतदाताओं के व्यवहार को कैसे प्रभावित कर सकता है, इस पर आईडीएफसी इंस्टीट्यूट के एक विश्लेषण से पता चलता है कि औसतन 77 फीसदी संभावना है कि जब चुनाव एक साथ होंगे तो मतदाता लोकसभा और विधानसभा दोनों के लिए एक ही पार्टी को वोट देंगे। दूसरी ओर बार-बार चुनाव चक्र जवाबदेही का एक उपाय प्रदान करते हैं क्योंकि विभिन्न स्थानीय और राज्य-स्तरीय मुद्दे समय-समय पर चुनावों को प्रभावित करते हैं।विधानसभाओं और लोकसभा की शर्तों को पहली बार कैसे सिंक्रनाइज (समकालिक) किया जाएगा? क्या इसके लिए कुछ राज्य विधानसभाओं की मौजूदा शर्तों को बढ़ाना या कम करना संभव होगा? अगर चुनाव एक साथ होते हैं तो उस स्थिति में क्या होगा जब सत्तारूढ़ दल या गठबंधन कार्यकाल के बीच लोकसभा या राज्य विधानसभाओं में बहुमत खो देता है? क्या लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल तय होना चाहिए?

क्या चुनाव आयोग के लिए लॉजिस्टिक्स, सिक्योरिटी और मैनपावर संसाधन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इतने बड़े पैमाने पर चुनाव कराना व्यावहारिक रूप से संभव है? ऐसा सुझाव सामने आया कि देश में एक साथ चुनाव लागू करने के लिए राज्य विधानसभाओं की शर्तों को सिंक्रनाइज (समकालिक) किया जाए। संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 के प्रावधानों में संशोधन के बिना लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ नहीं कराए जा सकते हैं। एक साथ चुनाव कराने के लिए संघ और राज्य विधानसभाओं के लिए निश्चित कार्यकाल होना जरूरी है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग कराने का अनुमानित खर्च 10,000 करोड़ रुपये बैठता है। 2018 के आसपास का अनुमान कहता है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव कराने की अनुमानित लागत 4500 करोड़ रुपये है।

लोकसभा चुनाव के वास्तविक आयोजन पर होने वाला पूरा खर्च भारत सरकार की ओर से वहन किया जाता है। राज्य विधानमंडलों के चुनावों का संचालन संबंधित राज्य सरकारों की ओर से किया जाता है। अगर लोकसभा और राज्य विधानसभा के लिए एक साथ चुनाव होता है तो खर्च भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाता है। वहीं, भले ही चुनाव लोकसभा का हो, कानून और व्यवस्था बनाए रखने का खर्च संबंधित राज्य सरकारों की ओर से उठाया जाता है।इस समय करीब 2-5 राज्यों की विधानसभाओं में हर 6 महीने में चुनाव होते हैं, इस वजह से केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बलों को लंबे समय तक इसके लिए समर्पित रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति साफ तौर पर अकारण समझी जाती है क्योंकि सशस्त्र पुलिस बल को अन्य आंतरिक सुरक्षा उद्देश्यों के लिए बेहतर ढंग से तैनात किया जा सकता है। उन बुनियादी जिम्मेदारियों के लिए उन्हें काम में लाया जा सकता है जिनके लिए इन बलों को विकसित किया गया।

ब्राजील, कोलंबिया और फिलीपींस (राष्ट्रपति शासन प्रणाली) में राष्ट्रपति पद के लिए और विधायी स्तर पर चुनाव एक साथ होते हैं। दक्षिण अफ्रीका और स्वीडन में आम चुनाव और प्रांतीय दोनों चुनाव एक साथ होते हैं। दक्षिण अफ्रीका में आम चुनाव और प्रांतीय चुनाव एक साथ पांच साल के लिए होते हैं और नगर निगम चुनाव दो साल बाद होते हैं।स्वीडन में राष्ट्रीय विधायिका और प्रांतीय विधायिका/काउंटी परिषद और स्थानीय निकायों/म्युनिसिपल असेंबली के चुनाव चार साल के लिए एक निश्चित तिथि यानी सितंबर के दूसरे रविवार को होते हैं। बताया जाता है कि विधि आयोग के इस प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो 2029 तक चुनाव आयोग एक साथ चुनाव करवा लेगा । बताया जाता है कि एक साथ चुनाव करवानें में चुनाव मशीनरी को तीन गुना मशीनें चाहिए । अभी 20 लाख मशीनें हैं यानी 60 लाख चाहिए होंगी । उसके लिए 3-4 साल बनाने में लगेगा यानी 2029 से ही पूरी प्रक्रिया शुरू होगी।

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

-प्रियंका सौरभ

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया। समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में, परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँः शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद, तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिएः डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक दुनिया के कौशल के साथ संरेखण की मांग करती है। आमूलचूल परिवर्तन छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की मांगों के साथ संरेखित कर सकता है। फि नलैंड की शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक कौशल और हाथों से सीखने पर जोर देती है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों की अधिक सहभागिता और रोजगार क्षमता होती है। आमूलचूल सुधार लचीले शिक्षा मार्ग प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर अलग-अलग सीखने के मार्ग अपनाने की अनुमति मिलती है। जर्मनी की दोहरी शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक शिक्षा और अकादमिक शिक्षा के बीच संतुलन प्रदान करती है, जिससे रोजगार क्षमता में सुधार होता है। अधिक छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव से छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक तर्क को बढ़ावा मिलेगा। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट कार्यक्रम रचनात्मकता, संस्कृति और संज्ञानात्मक कौशल सहित छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरूआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है। स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिएः जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडलः क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए ठएढ 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

विभिन्न शैक्षिक सुधारों और नीतियों के बावजूद, भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जो लंबे समय तक चलने वाले शैक्षणिक पथ और सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के बीच की खाई के कारण चुनौतियों का सामना कर रही है। कई सुधारों के बावजूद, इन मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए आमूलचूल परिवर्तन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता बनी हुई है। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की मांगों के अनुरूप कौशल प्रदान करना, जीवन के मील के पत्थर और आधुनिक चुनौतियों के लिए तत्परता बढ़ाना है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर सपा की हार के बाद अब आजम की नाराजगी

जेल जाने से पहले तक समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की गिनती यूपी के बड़े मुस्लिम नेताओं के रूप में होती थी। मुलायम सिंह के वह सबसे खास हुआ करते थे। आजम के सहारे ही मुलायम सिंह मुस्लिम वोटरों को लुभाते थे। खासकर पश्चिमी यूपी में तो सपा के लिये आजम की राह पर चलना ही सबसे आसान तरीका समझा जाता था। सत्ता में रहते अखिलेश ने भी आजम को महत्व दिया, लेकिन योगी सरकार के आने के बाद आजम खान पर जब मुसीबतों का पहाड़ टूटा तो अखिलेश ने आजम को एक तरह से अकेला ही छोड दिया। जब तमाम नेता आजम से मिलने जेल पहुच जाया करते थे तब अखिलेश के मन में सीतापुर जेल में बंद अपने इस मुस्लिम नेता के प्रति वफादारी का भाव नहीं दिखा। यहां तक की अखिलेश द्वारा आजम के गृह जिला रामपुर के बारे में भी सियासी फैसले में उन्हें अनदेखा किया जाने लगा। इतना सब होते हुए भी आजम ने अखिलेश के खिलाफ कभी सार्वजनिक मंच से कोई बयान तो नहीं दिया, लेकिन दोनों नेताओं के बीच दूरियां सबको दिखने लगी थीं। जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम का सब्र जबाव दे गया। क्योंकि अखिलेश की अनदेखी ने आजम के गृह जनपद रामपुर के साथ-साथ पश्चिमी यूपी में उनके सियासी अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जिस तरह से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था, उसके बाद आजम की नाराजगी सपा प्रमुख के लिये मुसीबत का सबब बन सकता है। मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन खिसकती देख आजम ने अब दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जेल में बंद अपने इस नेता को महत्व नहीं दिया तो अब आजम खान नई राह भी पकड़ सकते हैं, लेकिन आजम के लिये अलग होने की राह इतनी आसान नहीं है। क्योंकि इस बढ़बोले नेता को कोई बड़ी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती है। वैसे भी संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खां ने इंडिया गठबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिये लोगों के सामने रखा है। आजम के हवाले से पत्र में इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा है कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बबार्दी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बबार्दी पर इंडिया गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। सपा सूत्र बताते हैं कि रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाईं। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई। बहराल, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद ही आजम खान पर सियासी ग्रहण छाया हुआ है। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान जेल में नहीं बल्कि सजा होने के चलते अपनी-अपनी सदस्यता भी गंवा चुके हैं. इसके अलावा उपचुनाव में रामपुर और स्वार टांडा सीट भी आजम परिवार के पकड़ से बाहर निकल चुकी है। आजम खान के समर्थकों को भी लगता है कि सपा और अखिलेश यादव ने उनकी लड़ाई को मजबूती से नहीं लड़ा। इसके अलावा आजम खान की मर्जी के बगैर रामपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतारा था, जितने जीत के बाद से आजम खान पर ही निशाना साधा था। जबकि जेल में बंद आजम खान से लोकसभा चुनाव के बाद से सपा का कोई बड़ा नेता मिलने नहीं गया। कुंदरकी में उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने जरूर रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात की थी, लेकिन जिस तरह आजम ने संभल के बहाने रामपुर और मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसके चलते माना जा रहा है कि यूपी की सियासत में कोई नई खिचड़ी पक रही है। सबसे खास यह है कि अखिलेश यादव अपने इस मुस्लिम नेता को वैसे नहीं ह्यपचाह्न पा रहे हैं जैसे उनको नेताजी मुलायम सिंह यादव हैंडिल कर लिया करते थे। यह सच है कि कई बार आजम और मुलायम के रिश्ते की खटास देखने को मिल जाती थी, लेकिन दोनों एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंच से कुछ नहीं कहते थे। मगर सपा के मौजूद नेतृत्व और आजम के बीच कई बार नाराजगी की खबर सामने आई है। आजम कहा भी करते हैं कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव रिश्तों को निभाना काफी अच्छी तरह जानते थे। यही कारण था कि चाहे बेनी प्रसाद वर्मा हों या आजम खान, टकराव के बाद जब वे पार्टी से अलग हुए तो उन्होंने मुलायम के खिलाफ खूब कड़वी बात की। हालांकि, मुलायम ने कभी भी इन नेताओं के खिलाफ कोई बड़ा बयान नहीं दिया। आजम खान समर्थकों की ओर से अब अल्पसंख्यक हितों के मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल गहराने लगे हैं। यूपी चुनाव 2022 के दौरान जब सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अखिलेश नहीं चाहते, आजम खान जेल से बाहर आएं। इस पर आजम समर्थकों ने सहमति जाहिर की थी। यूपी में 2017 में सत्ता परिवर्तन के साथ आजम के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई थी। लेकिन, अखिलेश यादव ने कभी भी उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का खुलकर विरोध नहीं किया।

वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर में गत दिनों समाधान शिंदे युवा मंच की ओर से वर्ष 2025 का कैलेंडर विमोचन समारोह संपन्न हुआ। मुंबई के घाटकोपर स्थित मुक्ताबाई अस्पताल की नर्सों और कर्मचारियों द्वारा कैलेंडर प्रकाशित कर इलाके में वितरित किए गए। मंच की ओर से दो हजार से अधिक कैलेंडर घर-घर निःशुल्क बांटे गये हैं। समाधान शिंदे युवा मंच के प्रमुख समाधान शिंदे पिछले 6 वर्षों से इस मंच के माध्यम से समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं। मंच अनाथों, बेघरों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है।

भाजपा नेता यशवंत टावरे द्वारा भिवंडी से कार्ला आई एकविरा पालकी पदयात्रा के भक्तों का किया गया सत्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तहसील के कांबे गाँव से कार्ला एकविरा आई की पालकी पद यात्रियों का भंडारी चौक पर पटाखा फोडकर भव्य स्वागत किया। बतादें कि आई गाँव देवी प्रतिष्ठान कांबे व आई एकविरा ग्रुप अंजूरफाटा द्वारा भिवंडी से कार्ला माता एकविरा पदयात्रा का यह 4था वर्ष है जिसमें असंख्य देवी भक्तों का समावेश रहता है। पालकी पदयात्रियों के भंडारी चौक पहुंचने पर भाजपा नेता व पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे व भाजपा महिला मोर्चा की भिवंडी जिलाध्यक्ष सुनीता टावरे के नेतृत्व में एकविरा माता की पालकी दर्शन व आरती कर पटाखा फोडकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भरत टावरे, हितेश टावरे, राजा इंदुरकर, पवित्रा इंदुरकर, पंकज जयसवाल, पूजा जयसवाल, राजेन्?द्र कांबले, प्रकाश गवली, नारायण पासवान, रामबाबू गुप्ता आदि असंख्य लोग उपस्थित थे।

बिजली बिल कम कराने को लेकर जय हिन्द चालक मालक आटा चक्की यूनियन की विशेष सभा संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के अशोक नगर बिल्डिंग नंबर 4 में लल्लन यादव की आटा चक्की पर जय हिन्द चालक मालक आटा चक्की यूनियन की विशेष सभा संपन्न हुयी। बतादें कि टोरंट पावर के बढते बिजली बिल से जहाँ भिवंडी वासी परेशान हैं वहीं के आटा चक्की वाले भी परेशान हैं। उक्त संदर्भ में आज एक सभा का आयोजन अशोकनगर स्थित किया गया जिसमें यूनियन के अध्यक्ष लल्लन यादव ने भिवंडी में बंद हो रही चक्कियों में मुख्य कारण बढ़ते बिजली बिल बताते हुये चिंता जताई वहीं सर्व सम्मति से प्रस्ताव रखा गया कि जिस प्रकार भिवंडी में पावरलूम को सब्सिडी मिली है उसी प्रकार चक्की वालों को भी सब्सिडी मिलनी चाहिए। जिसके लिये भिवंडी के सांसद व भिवंडी के विधायकों के माध्यम से महाराष्ट्र की सरकार के मंत्रिमंडल के गठन होने पर ऊर्जा मंत्री से मांग की जायेगी। इस अवसर यूनियन के मुख्य सलाहकार लक्ष्मण गायकवाड़, पी डी यादव, आचार्य सूरजपाल यादव के साथ ओमप्रकाश यादव, विजय बहादुर यादव, मटरू यादव, अहमद अली, हरेन्द्र यादव, जोगेन्दर यादव, रामजीत पाल, रमेशचंद सोनी, सुधीर सोनी, संजय मिश्रा, बबलू विश्वकर्मा, अशोक गुप्ता, रमेशचंद सिंह, हरिनाथ यादव, साहब राज यादव, तेरसनाथ प्रजापति, शिवशंकर प्रसाद वर्मा, राम अशीष विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

मीशो 2024 समीक्षा: छोटे शहरों में बढ़ते उपभोग, जेन जी, और जेन एआई इनोवेशन से मिली 35 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि

मुंबई/पटना। भारत के एकमात्र ट्रू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने 2024 में जबरदस्त वृद्धि की है। इसने सभी तक इंटरनेट कॉमर्स पहुँचाते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अपने प्लेटफॉर्म पर मिलने वाले ऑर्डर में साल-दर-साल 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मीशो ग्राहकों की पसंद से जुड़ा हुआ है, और देश में तेजी से ई-कॉमर्स का विस्तार कर रहा है। इसकी वृद्धि भारत में किफायती शॉपिंग पसंद करने वाले ग्राहकों के कारण है, जो फैशन, ब्यूटी, पर्सनल केयर और होम एसेंशियल्स में सस्ते और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदना चाहते हैं।

यासमीन कराचीवाला ने दुल्हनों के लिए बताये शादी के दिन सबसे खूबसूरत दिखने के 5 टिप्स

मुंबई/पटना। हर दुल्हन की ख्वाहिश होती है कि वह अपनी शादी के दिन सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आए, और यह पूरी तरह से सही है। हालांकि, शादी की तैयारियों में ढेर सारे कामों के बीच खुद की सेहत और फिटनेस अक्सर पीछे रह जाती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि थोड़ा सा ध्यान और सही दिशा में किया गया प्रयास आपको न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार कर सकता है? फिटनेस कोच और पिलेट्स एक्सपर्ट यासमीन कराचीवाला अपनी कुछ खास टिप्स शेयर कर रही हैं, जिनकी मदद से हर दुल्हन खुद को आत्मविश्वास से भरपूर और दमकता हुआ महसूस कर सकती है: समझदारी से खाने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं कि आप भोजन करना छोड़ दें या क्रैश डाइटिंग करें। बल्कि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिये।

युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित बोईसर-जीवदानी माता धाम यात्रा संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट यादव नगर(बोईसर) के तत्वावधान में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को आयोजित सातवें वर्ष में बोईसर से विरार तक पूर्व नियोजित 'माता जीवदानी की धार्मिक यात्रा' हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हो गई।

इस धार्मिक यात्रा में बोईसर शहर व आसपास के सैकड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने माता की भक्ति में श्रद्धा व आनंद पूर्वक हिस्सा लिया। बोईसर रेलवे स्टेशन पर निर्धारित समय से शुरू हुए 'चलों जीवदानी माता यात्रा' का शुभारंभ सामाजिक कार्यकर्ता विनोद मिश्रा के हाथों शुभकार्यों के प्रतीक नारियल तोड़कर और सामाजिक कार्यकर्ता व उपस्थित धर्मपरायण जनों द्वारा तीर्थयात्रियों को सुखद यात्रा की कामना के साथ केसरिया ध्वज लहराते 'जय मातादी' के उदघोष करते माता के भक्तों को हाथों में ध्वजा देकर किया गया। तीर्थयात्रियों को रेलवे स्टेशन पर मंगलमयी शुभकामना देने पधारे अतिथियों में श्याम मिश्रा (होटल सवेरा), पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी व अजीत सिंह समेत अन्य जनों को

तिलक चंदन करके केसरिया अंगवस्त्रम व भगवान की प्रतिमा भेंट की गयी। वहीं विरार रेलवे स्टेशन पहुँचने पर ऊँचों पहाड़ों वाली माँ जीवदानी की सुखद दर्शन हेतु यात्रा के लिए समाजसेवी तेजस जाधव, नारायण मांजरेकर, सोहनलाल पालीवाल, संजय पटवा ने आतिथ्य सत्कार के बाद पुनः नारियल तोड़कर 'चलों जीवदानी माता पदयात्रा यात्रा' को प्रस्थान कराया। 'चलों जीवदानी माता' धार्मिक यात्रा के बोईसर स्टेशन पर शुभारंभ के अवसर पर अनेक सामाजसेवी गण, मीडियाकर्मी समेत अनेक धमार्नुरागी जन उपस्थित रहे। यहां धार्मिक यात्रा में सम्मिलित कुछ लोगों ने आगे से नशामुक्ति का संकल्प भी ग्रहण किया। इस धार्मिक यात्रा को सफल बनाने में अमूल्य समय और सराहनीय योगदान देने वाले चंद्रबली यादव, रतन सोनी, सुनील पटवा, अशोक यादव, सुमित पटवा, रमेश सोनी, शमसेर सिंह, सूरज पटवा, संस्था के सहयोगी सचिन पाटील, गिरधारी सिंह पुरोहित, प्रमोद राम सेठ, डॉ.राम अचल सिंह, अरुण चव्हाण, संतोष पटवा, संतोष राय, पप्पू यादव, अयोध्या शर्मा, नारायण पटवा समेत सभी मां जीवदानी यात्रा में शामिल लोगों के प्रति मुख्य आयोजक 'युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट' अध्यक्ष जयकुमार पटवा ने आभार व्यक्त किया।

विलास गोरेगांवकर राष्ट्रीय चर्मकार संघ मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय चर्मकार संघ यह चर्मकार समाज और बहुजन समाज की प्रगति और उत्थान के लिए लंबे समय कर रहा है। यह गैर राजनीतिक संगठन पूर्व विधायक बाबूराव माने के नेतृत्व में कार्य कर रहा है जो कि चौबीसों घंटे अन्याय से लड़ते हुए आम लोगों को उनका अधिकार और न्याय दिलाता है और पिछले 25-30 वर्षों से कई लोगों का आधार बन गया है। बता दें कि हाल ही में राज्य स्तरीय चर्मकार समाज की भव्य चिंतन बैठक धारावी में संपन्न हुई। इस बैठक में मुंबई के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता विलास गोरेगांवकर को राष्ट्रीय चर्मकार संघ मुंबई प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय चर्मकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष पूर्व विधायक बाबूराव माने महाराष्ट्र के अध्यक्ष

राम भाऊ कदम, महिला प्रदेश अध्यक्ष मनाली ताई गवली नारायण गायकवाड़, परशुराम इंगोले वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर शेजवल एडवोकेट विट्ठल कड़वे, रमेश हकारे, जगन्नाथ खाड़े, सीमा ताई कारंडे व मुंबई के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट कैलाश आगवने की ओर से पुष्पगुच्छ, शाल और नियुक्ति पत्र देकर विलास गोरेगांवकर के कार्यों का गौरव किया गया।

आर्य गुरुकुल स्कूल में भव्य खेल दिवस आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व की आर्य गुरुकुल स्कूल में वार्षिक खेल दिवस खेल मेले का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छात्रों की शतप्रतिशत सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम की शुरूआत ओलंपिक उद्घाटन समारोह के साथ हुई।जिसके बाद पारंपरिक शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल ध्वजारोहण, एनसीसी कैडेटों द्वारा मार्च पास्ट और मशाल जलाया गया।

गार्ड ऑफ ऑनर और ध्वजारोहण ने उपस्थित सभी लोगों में खेल भावना की भावना जगा दी। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ.हरीश कुमार दुबे, वीपी एडमिन एवं सहायक। बी.के. बिड़ला कॉलेज, कल्याण, प्रोफेसर (भौतिकी) ने औपचारिक रूप से मशाल जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और बचपन में शारीरिक फिटनेस और टीम वर्क के महत्व पर प्रेरणादायक शब्दों के साथ दर्शकों को

संबोधित किया।इस वर्ष के खेल मेले का विषय यूनिवर्सल आउटलुक - ओलंपिक बच्चों को चिन्मय विजन कार्यक्रम के स्तंभ के करीब लाना था। यह मूल्य बच्चों को वैश्विक नागरिक बनने और खुद को वैश्विक स्थिति में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है। मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध तैराक अश्विन कुमार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध तैराकी कोच अनिरुद्ध महाडिक इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।यूनिवर्सल आउटलुक की थीम पर खेल मेले में छात्रों ने विभिन्न खेल और एथलेटिक स्पधाओं में भाग लिया। परिणाम दृढ़ संकल्प और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन था। आर्य ग्लोबल के अध्यक्ष श्री भरत मलिक ने कहा, ?खेल बच्चों के स्वास्थ्य में एक निवेश है। उन्होंने खेल मेले के लिए स्कूल द्वारा किये गये कड़े इंतजामों की भी सराहना की। उपस्थित सभी लोगों ने अभिभावकों को अपने बच्चों में खेल के प्रति प्रेम पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। आर्य गुरुकुल के खेल निदेशक दीपक वर्मा ने कहा कि आर्य गुरुकुल कई व्यवस्थाएं कर रहा है ताकि छात्र अब स्कूल समय के दौरान नए खेल सीख सकें और यह नई पहल जल्द ही शुरू की जाएगी। उन्होंने माता-पिता से अपील की, कि वे प्रत्येक बच्चे को कम से कम एक खेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें क्योंकि यह बच्चे के समग्र विकास में योगदान देता है। प्रधानाध्यापिका राधामणि अय्यर ने कहा कि भारत आज सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है और खेल खेलने से दिमाग तेज, शरीर फिट रहता है और व्यक्ति का समग्र विकास होता है। दिन का समापन एक जोशीले पदक वितरण समारोह के साथ हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

महेश गायकवाड़ द्वारा अपना कल्याण महोत्सव का भूमिपूजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पिछले तीन साल से नागरिकों के भारी प्रतिसाद के बाद इस वर्ष के अंतिम सप्ताह में कल्याण पूर्व, 100 फुट रोड, तीसगांव में अपना कल्याण महोत्सव-2024 का आयोजन किया गया है, यह महोत्सव 21 दिसंबर से प्रारंभ हो रहा है, इस महोत्सव के आयोजक महेश दशरथ गायकवाड़ ने मीडिया को बताया कि यह महोत्सव 29 दिसंबर 2024 को समाप्त होगा. शुक्रवार को मंच और मैदान की विधिवत पूजा के साथ इस महोत्सव का कार्य शुरू किया गया.

अपना कल्याण महोत्सव प्रतिष्ठान' के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन समारोह महाराष्ट्र की परंपरा लोध-ताशा के साथ शुरू होगा। पहले दिन स्थानीय स्कूली छात्रों को महोत्सव के लिए

बनाये गये भव्य मंच पर अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया है। छात्रों के इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को प्रशंसकों के सामने पेश किया जाएगा.यह महोत्सव 21 से 29 दिसंबर 2024 के बीच लगातार 9 दिनों तक हर शाम जारी रहेगा। 6. 30 से 10 बजे के बीच कला, खेल, इतिहास, ज्ञान, मनोरंजन आदि विषयों के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। उपाध्यक्ष प्रशांत बोटे ने कहा है कि इस वर्ष भी महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है.

बल्याणी में 2 करोड़ की विकास निधि से रास्ते निर्माण कार्य का भूमिपूजन

नमिता मयूर पाटील के प्रयासों को मिली सफलता

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका टिटवाला वार्ड क्रमांक 11 बल्याणी में लगभग 2 करोड़ की विकास निधि से रास्ते निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। बल्याणी की भूतपूर्व नगरसेविका नमिता मयूर पाटील व मयूर पाटील के प्रयासों से मूलभूत सुविधाओं का उदघाटन संपन्न हुआ। इस मौके पर शिवसेना शिंदे गूट के पदाधिकारी, कार्यकताओं के अलावा स्थानिक नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बतादें कि बल्याणी स्थित वैष्णव माता मंदिर से लेकर आईईएस स्कूल और गणेश नगर परिसर में रास्तों की खस्ता हालत के कारण स्थानिक नागरिकों को आनेजाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर स्कूली बच्चों को आने-जाने में दिक्कतें पेश आ रही है। इस

समस्या के समाधान के लिए नमिता पाटील और मयूर पाटील ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के माध्यम से फंड मंजूर करवाया। साथ ही बल्याणी गांव में रास्तों की अवस्था दयनीय बनी हुई है। उसे सुधारने के लिए 25 लाख रुपये की निधि पारित हुई है। जल्द ही सभी कामों की शुरूआत कर रास्तों को चकाचक बनाया जाएगा। इस मौके पर महेश पाटील, अरविंद पाटील, शिवाजी गोंधळे, भरत मधवी, दशरथ गायकर, सुरज पावशे, अरफ गुजर, जक्की पकोडे, प्रदीप घाणेकर, पंकज सिंग,समीर गायकवाड, प्रकाश पाटील, सिद्धार्थ जाधव, संदेश जाधव अनेकों मान्यवर उपस्थित थे।

पालघर कांग्रेस के कई पदाधिकारी बीजेपी में शामिल होने को इच्छुक : मोईज शेख

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जिला कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गण बहुत परेशान और निराश हैं और वे अगले कुछ दिनों में भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे,₹ उक्त बातें पालघर भाजपा नेता मोईज शेख ने हमारे संवाददाता अजीत सिंह के साथ बात करते हुए कही। मोईज शेख ने आगे बोलते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों में जिले के विभिन्न हिस्सों से जिला कांग्रेस के कई पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनसे संपर्क करते हुए भाजपा में शामिल हो कर काम करने की इच्छा जताई है। इस विषय में जल्द ही शेख भारतीय जनता पार्टी के पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत व जिले के अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं से चर्चा

करेंगें। इस बारे में और अधिक जानकारी देते हुए भाजपा नेता मोईज शेख ने कहा, "राज्य और जिला स्तर पर कांग्रेस के नेतृत्व की कार्यप्रणाली को लेकर कार्यकताओं में भारी नाराजगी है। इससे पहले भी कई नेता और पदाधिकारी पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। अब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं है" केंद्र, राज्य और जिले में पिछले पांच वर्षों में कम से कम सत्ता तो है ही नही, राज्य में विपक्ष के नेता का पद कांग्रेस अपने पास नहीं रख सकी, जिसका उल्लेख भाजपा पार्टी के शीर्ष नेता बार-बार कर रहे हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले के नेतृत्व में सभी चुनावों में असफल होने के बावजूद भी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से नहीं हटाया जा रहा है। इसलिए जिला व प्रदेश स्तर पर कांग्रेस पदाधिकारी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वर्तमान तस्वीर यह है कि भाजपा आगामी स्वराज संस्था की चुनावों में बड़ी जीत हासिल करेगी और जल्द ही जिले के वर्तमान व पूर्व कांग्रेस पदाधिकारी, सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व विधायक समेत अनेक लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। ऐसा विश्वास मोईज शेख ने जताया।

पारगांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन निर्माण हेतु किया गया भूमिपूजन

नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करने में मिलेगी मदद

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर तहसील के सफाले पूर्व में स्थित पारगांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन निर्माण हेतु गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, विधायक विलास तरे, समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर, सभापति शैला कोलेकर की विशेष उपस्थिति में भूमिपूजन किया गया।

बतादें कि सभापति मनीषा निमकर, स्थानीय पंचायत समिति सदस्या कामिनी पाटील समेत ग्रामीण भी कई वर्षों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग कर रहे थे। जिसकी बदौलत पिछले वर्ष पारगांव स्वास्थ्य केंद्र को मंजूरी दी गई थी। जिसके परिणाम स्वरूप गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आरोग्य अभियान पालघर जिला एकीकृत स्वास्थ्य व परिवार कल्याण पालघर के द्वारा दिए गए अधिकार का उपयोग करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला परिषद एकीकृत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सोसायटी पालघर के आदेशानुसार प्रशासनिक

स्वास्थ्य केंद्र को मंजूरी दी गई है। इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 1 करोड़ 43 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि यह उपकेंद्र छह माह में बनकर तैयार हो जायेगा और अगले जून माह तक लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा कक्ष, औषधि निर्माण अधिकारी कक्ष, महिला कक्ष, पुरुष कक्ष, प्रयोगशाला, आपातकालीन कक्ष, कैंटीन आदि का निर्माण किया जायेगा। इस स्वास्थ्य केंद्र का लाभ क्षेत्र के गांवों के निवासियों को मिलेगा। इस भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति सदस्य कामिनी पाटील, सरपंच अंकुश जाबर, उपसरपंच वैभवी पाटील, ग्रामसेवक महेश किणी, पुलिस पाटील, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, अमित सोनवणे के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी समेत अनेक ग्रामस्थ उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाईटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मीटर रीडर हुआ ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार, पुलिस से न्याय की गुहार

ठगों ने छः बार में लगभग 60 हजार का लगा दिया पलीता

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेजी से बढ़ रहे तकनीकी के दौर में ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार होने से बच पाना बमुश्किल है। इसके लिए सरकार समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास करती रहती है। बावजूद साइबर ठगों ने उसको भी भेदकर लोगों को शिकार बनाकर चूना लगा दे रहे है। भुक्तभोगी बैंक, पुलिस और साइबर सेल का चक्कर काट रहे है। ऐसा ही मामला खेतासराय के सोंधी मोहल्ला निवासी गुलाब चन्द्र के साथ हुआ। उक्त मोहल्ला निवासी गुलाब चन्द्र पुत्र भरत पेशे से बिजली बिल मीटर रीडर है। भुक्तभोगी के मुताबिक 3 दिसम्बर को मोबाइल पर एक लिंक आया, लिंक पर क्लिक करते ही किसान सम्मान निधि के केवाईसी अपडेट कराने को कहा गया। भुक्तभोगी दुकान अपडेट कराने के लिए दुकान पर पहुँचा जहाँ सब कुछ सही बताया गया। इतने में 3 दिसम्बर के ही शाम अचानक उसके मोबाइल से नेटवर्क गायब हो गया। अगले दिन यानी 4 दिसम्बर को सिम सम्बंधित ऑफिस पर नेटवर्क गायब होने की समस्या लेकर पहुँचा तो बोला गया कि आधार केंद्र से अपना फिंगर अपडेट कराओ तब सिम चालू होगा।

किसान सम्मान निधि के लिए गलत लिंक पर किया था क्लिक

भुक्तभोगी प अपने सिम का फिंगर प्रिंट कराया और ऑफिस चला गया। इतने में भुक्तभोगी का व्हाट्सएप हैक हो गया। शंका होने पर उसने बैंक के सम्बंधित शाखा में गया और खाते से पैसा कटने की शंका जाहिर किया। भुक्तभोगी के अनुसार इतने में इसके खाते से 10,000, 9999, 9999, 9999, 9999, 9999 करके लगभग 60 हजार रुपये कट गया। इतना ही नहीं बल्कि भुक्तभोगी के सम्बंधित लोगों को भी व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा जा रहा है। परेशान मीटर रीडर भुक्तभोगी ने 1930 पर घटना की सूचना देते हुए स्थानीय पुलिस को लिखित सूचना दिया है साथ में साइबर सेल में भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाया है।

ट्रेन से कटकर अज्ञात अधेड़ व्यक्ति की मौत

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बबुरा अंडरपास के समीप रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का ट्रेन से कटा हुआ शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बदलापुर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम हेतु भेज कर अन्य विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। जबकि समाचार संकलन तक के मृतक अधेड़ व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी थी।

कोतवाली पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा न्यायालय प्रधान न्यायधीश परिवार न्यायालय जौनपुर द्वारा जारी गिरफ्तारी का अधिपत्र के अनुपालन के क्रम में मु0नं0-135/2019 धारा 128 सीआरपीसी थाना सरायख्वाजा जौनपुर बनाम दानिश से सम्बन्धित वारण्टी दानिश पुत्र इफ्तेखार निवासी मण्डी नसीब खाँ थाना कोतवाली जनपद जौनपुर को उसके घर से दिनांक 13.12.2024 को समय 11.30 बजे नियमानुसार गिरफ्तार कर न्यायालय जौनपुर के समक्ष भेजा।

आजमगढ़ के रौनापार क्षेत्र में ताल में उतराया मिला लापता भाई-बहन का शव

जीशान अहमद खान

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। रौनापार थाना क्षेत्र के सोन बुजुर्ग गांव के ताल में घर से लापता भाई और बहन का शव दूसरे दिन उतराया हुआ मिला। इस मामले में परिजनों ने गुरुवार को ही रौनापार थाने में तहरीर दी थी। शव मिलने से परिवार में मातम छा गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी मुताबिक रौनापार थाना क्षेत्र के सोन बुजुर्ग गांव निवासी मोहम्मद तालिब की छह वर्षीय पुत्री अरहमा और तीन वर्षीय पुत्र अब्दुल वदूद बृहस्पतिवार की सुबह करीब नौ बजे रहस्यमय ढंग से लापता हो गए।

परिजन उनकी इधर-उधर तलाश किए लेकिन कुछ पता नहीं चला। परिजनों ने इसकी लिखित सूचना रौनापार थाने को दी। पुलिस गुमशुदगी का मुकदमा पंजीकृत कर उनकी तलाश में जुट गई। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे सोन बुजुर्ग गांव से लगभग डेढ़ सौ मीटर दूरी पर स्थित ताल के पानी में भाई और बहन का शव उतराया हुआ मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिवार में मातम छाया हुआ है। जिस ताल में दोनों बच्चों का शव उतराया मिला, उसी ताल में बच्चों के खिलौने भी मिले। लोग अंदेशा जता रहे कि बच्चे खेलते-खेलते यहां आए होंगे। जैसे ही वह ताल किनारे पहुंचे होंगे वैसे ही उनका पैर फिसल गया होगा जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई।

आने वाले समय में उर्जा का नया श्रोत बनेगा हाइड्रोजन: डा.टी.पी.यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के नैनो साइंस केंद्र में हाइड्रोजन गैस उर्जा के संचय विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक डा.ठाकुर प्रसाद यादव ने कहा कि हाइड्रोजन स्वच्छ उर्जा का नया श्रोत हो सकता है हाइड्रोजन पर्याप्त मात्रा में पर्यावरण में उपलब्ध है और इससे उत्पन्न उर्जा कार्बन उत्सर्जन रहित होता है इस वजह से हाइड्रोजन उर्जा के प्रयोग को लेकर तमाम शोध हो रहे है। इस हाइड्रोजन उर्जा के ईंधन के रूप में प्रयोग को लेकर देश-विदेश में बहुत से शोध चल रहे है। इस क्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक डा. ठाकुर प्रसाद यादव ने अपने व्याख्यान में यह बताया कि हाइड्रोजन गैस उर्जा का एक स्वाच माध्यम है और यह धरती पैर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है लेकिन इसको संचित करना बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। इस उर्जा का प्रचुर मात्र में सदुपयोग नहीं हो पा रहा है इसके कई

रज्जू भैया संस्थान में हुआ व्याख्यान का आयोजन

व्यवहारिक कारण है जैसे हाइड्रोजन उर्जा का संचय एवं संचित हाइड्रोजन गैस का अवाश्कतानुसार उपलब्ध न हो पाना है। भौतिक विज्ञान विभाग के युवा वैज्ञानिक डॉ. ठाकुर प्रसाद यादव ने भारत के हाइड्रोजन मैन के नाम से विख्यात पदमश्री प्रो. ओएन श्रीवास्तव के निर्देशन में काशी हिंदू विश्वविद्यालय से अपना शोध कार्य किया है और वह स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी टॉप

दो प्रतिशत वैज्ञानिको की सूची में शामिल है। डॉ. यादव भौतिकी के नैनो पदार्थ, हाइड्रोजन संभरण और ऊर्जा भंडारण पर किए गए शोध कार्य के कारण सुर्खियों में रहे हैं। उनके 150 से अधिक शोध पत्र और 20 पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.वंदना सिंह की प्रेरणा से विद्यार्थियों में शोध के प्रति आकर्षण विकसित करने के लिए ऐसे आयोजन किये जा रहे है। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत तथा नैनो विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डा सुजीत कुमार चौरसिया ने धन्यबाद ज्ञापन किये इस अवसर पर प्रो गिरिधर मिश्र, प्रो मिथिलेश सिंह, डा.काजल कुमार डे, डा.धीरेन्द्र कुमार चौधरी, डा नीरज अवस्थी, डा.अजित सिंह, डा.नितेश जयसवाल, डा.रामंशु, डा.संदीप वर्मा सहित शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राणघातक प्रतिबंधित चाइनीज मांझा और पॉलीथिन न बेचे व्यापारी और न ही सड़क पर करें अतिक्रमण: इंदु सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।प्राणघातक चाइनीस मांझा एवं प्रतिबंधित काली पालीथीन ना बेचें व्यापारी सड़क पर नाली के बाद सड़क पर अतिक्रमण ना करें व्यापारी।उक्त बातें प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष एवं प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने नगर जौनपुर सहित जनपद के सभी व्यापारियों से कही है। उन्होंने कहा कि आए दिन चाइनीज मांझे से आमजन जख्मी हो रहे यहां तक कि लोगों की जान भी जा रही है।चाइनीज मंझा प्रतिबंधित है इसे न बेचें और ना ही खरीदें इसका शिकार हम आप भी हो सकते हैं।इसी तरह हमारे अच्छे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए पॉलीथिन भी प्रतिबंधित है विशेष रूप से काली पॉलीथिन सभी व्यापारी और सभी आमजनता से अपील है कि प्रतिबंधित पालीथीन ना बेचें और ना ही उपयोग करें। पॉलीथिन में गर्म खाना, चाय और खाने पीने की गर्म चीजें अक्सर आम जनता उपयोग करते हुए दिखाई देती है यह भी प्राणघातक है और हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक और जानलेवा है। शहर में व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के बाहर नाली क्रॉस कर के सड़कों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण ना करें जिससे कि यातायात व्यवस्था बाधित हो और जाम की स्थिति पैदा हो।इन सभी मुद्दों पर ज़िला प्रशासन से वार्ता हुई है ऐसे में पहले से ही समस्त बिंदुओं पर व्यापारी गण अपने को नियमित कर लें कल को ज़िला प्रशासन किसी को इन आदेशों की अवहेलना करते हुए पकड़ेगा तो हमें आपको विधिक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।ऐसे में किसी भी समस्या से बचने के लिए सम्मानित व्यापारी गण उपरोक्त सभी बिंदुओं पर अपने आप को नियमित कर लें।उक्त आशय की सूचना उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने दी है।

बंगलुरू पुलिस अगर गिरफ्तारी के लिए कहेगी तो दबिश दी जाएगी: मिथिलेश मिश्र

इम्तियाज अहमद

अतुल सुभाष केस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इंजीनियर अतुल सुभाष के ससुराल पर

कर्नाटक पुलिस ने नोटिस चस्पा किया है। इसके जरिये निकिता को तीन दिन के अंदर बंगलुरू पुलिस को जवाब देने की चेतावनी दी गई है। साफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष के सुसाइड मामले की छानबीन करने पहुंची कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को डाक बंगले स्थित निकिता के ताऊ के घर पर नोटिस चस्पा किया। इसके अलावा ढालगर टोला स्थित घर पर भी नोटिस चस्पा की गई। नोटिस के जरिए तीन दिन के अंदर निकिता को मराठल्ली पुलिस स्टेशन बंगलुरू में उपस्थित होने की चेतावनी दी गई। इस दौरान कोतवाली पुलिस भी मौजूद रही। इसके बाद पुलिस वहां से निकलकर कोतवाली पहुंचकर मंत्रणा की। यहां से दीवानी न्यायालय पहुंचकर मुकदमे की पत्रावत्रियों को भी देखेंगे। कोतवाल मिथिलेश मिश्र ने बताया कि मामले में बंगलुरू पुलिस अगर गिरफ्तारी के लिए कहेगी तो दबिश दी जाएगी। पांच पन्ने का नोटिस घरों पर चस्पा किया गया है। निकिता को तीन दिन में बंगलुरू के पुलिस स्टेशन में पहुंचकर जवाब देना होगा।

गीता जयंती पर स्वामी अड़गड़ानंद महराज के शिष्य सुबेदार यादव ने मजार पर यथार्थ गीता का वितरण कर हिंदू मुस्लिम भाईचारे का दिया संदेश

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया।गीता जयंती पर स्वामी अड़गड़ानंद महराज के शिष्य सुबेदार यादव ने बनारस का चर्चित मजार बहादुर शईयररजा मजार फुलवरिया पर यथार्थ गीता वितरण करके हिन्दू मुस्लिम के भाई चारे के एकता पर संदेश दिए। और यथार्थ गीता के बारे में भी

लोगो को समझाएँ कि यथार्थ गीता पढ़ने से जिवन की सभी समस्याओं का समाधान होता हैं यथार्थ गीता जो पढ़ता हैं उसको परम शांति मिलता हैं। यथार्थ गीता लगभग 100 की संख्या में मुस्लिम लोगों को वितरण किया गया और बाकी हिन्दू के लोगों में वितरण हुआ। सुबेदार यादव से बातचीत करने के दौरान पता चला कि सुबेदार यादव यथार्थ गीता पढ़कर स्वामी अड़गड़ानंद महराज जी से 2012 से जुड़े थे जिसके दौरान नहवानीपुर आश्रम रहकर संतों का सेवा करना तथा निरंतर समाज सेवा करते रहना अद्भुत बिचार से समाज हित में बढे.बढे.कार्य करना जिससे समाज का भला हो सराहनीय कदम रहा हैं।सुबेदार यादव का कहना हैं कि जो भी ब्यक्ति यथार्थ गीता पढेगा उसको कभी भूतों प्रेतों से परेशानी नहीं होगा और परम शांति मिलता हैं।मैने खुद पढ़कर देखा हैं गीता भगवान श्री कृष्ण के मुखारविंद की वाणी हैं जो भारत का राष्टीय धर्मशास्त्र भी हैं।

मान्य ऑनलाइन कोर्सेस के लिए है स्वयम पोर्टल

उपयोगी सभी महाविद्यालय स्वयम के लिए नोडल अधिकारी करें नामित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेज के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को किया गया। विश्वविद्यालय के स्वयं पोर्टल के नोडल अधिकारी प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि स्वयम पोर्टल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन कोर्सेस के लिए विकसित की गई वेबसाइट है जिसके माध्यम से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी ऑनलाइन कोर्सेज कर सकते है। इस ऑनलाइन पोर्टल पर दस नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं जो विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान, इग्नू, यूजीसी के अनुभवी शिक्षकों द्वारा तैयार पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराते हैं। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वयम पोर्टल पर ऑनलाइन कोर्सेज को उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के लिए स्वीकार कर लिया गया है। स्वयम के सह-नोडल अधिकारी डॉ. नितेश जायसवाल ने पाठ्यक्रम के क्रेडिट और उनके चुनाव के संबंध में विस्तार से बताया। डॉ जायसवाल ने बताया कि विद्यार्थी स्वयम पोर्टल पर लॉगिन कर विभिन्न पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित ऑनलाइन कोर्सेस का चयन कर उसकी पढ़ाई कर सकेंगे। ये कोर्सेज उनके डिग्री के लिए मान्य होंगे। ये कोर्सेज मेजर, माइनर, इलेक्टिव, वोकेशनल या स्किल के हो सकते हैं। स्वयम के सह-नोडल अधिकारी डॉ.

नीरज अवस्थी ने ने बताया कि विद्यार्थी स्वयम पोर्टल द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 20% क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। विद्यार्थी द्वारा चयनित कोर्सेज की परीक्षा ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से देने एवं उत्तीर्ण करने के पश्चात अर्जित अंक व क्रेडिट उसके मार्कशीट पर अंकित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रो राजेश शर्मा, प्रो. सौरभ पाल, प्रो मनोज मिश्रा, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ मनोज पांडे, उप कुलसचिव बबीता सिंह सहित सभी संकायाध्यक्ष, महाविद्यालय के प्राचार्य, नोडल अधिकारी व अध्ययन परिषद के संयोजक ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के दौरान स्वयम पोर्टल से संबंधित विभिन्न प्रश्नों एवं जिज्ञासा का भी समाधान किया गया।

मोदी सरकार का एक और तोहफा

वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए लगा आयुष्मान कार्ड व आयुष्मान कार्ड कैम्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कलेक्ट्रेट बार परिसर में 70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं का आयुष्मान कार्ड

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ कैम्प का किया निरीक्षण

बनाये जाने हेतु और उनके स्वास्थ्य परीक्षण हेतु कैम्प का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किया गया।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के साथ उक्त कैम्प का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित

किया।जिलाधिकारी ने कहा कि बार के अध्यक्ष के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का अनुरोध किया था, जिसके क्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणा से आज कैम्प लगाकर 70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं का आयुष्मान कार्ड बनाया गया इसके साथ ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस दौरान दवाओं और च्यवनप्रास का वितरण भी किया गया।नवीनीकृत कलेक्ट्रेट बार गेट का जिलाधिकारी के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर बार के अध्यक्ष मनोज मिश्र,महामंत्री लाल बहादुर यादव,स्वास्थ्य विभाग से जिला सूचना प्रणाली प्रबन्धक हिमाशू शेखर सिंह, डा0 बद्री विशाल पाण्डेय,अवनीश श्रीवास्तव, डा0 राजीव यादव, सहित अन्य पदाधिकारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना नानक पब्लिक स्कूल जौनपुर का वार्षिकोत्सव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हरबसपुर, फूलपुर स्थित नानक पब्लिक स्कूल जौनपुर में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय प्रांगण मे अतिथियों का आगमन हुआ जिसमें मुख्य रूप से जौनपुर जनपद के डी० एम ० दिनेश चंद्र सिंह, एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष संजय सिंह, रिटायर्ड सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस राम मोहन सिंह,विक्रांत यूनिवर्सिटी ग्वालियर के चांसलर राकेश सिंह राठौड़,सरदार रविंद्र सिंह होरा (जिला जज), एवं अन्य सभी अतिथिगण उपस्थित हुए। इस क्रम में अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के

पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम की शुरूआत हुई। बच्चों द्वारा अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, समूह नृत्य, समूह गान आदि कार्यक्रम हुआ। बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुति के पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा 2023-2024 वें सत्र में उत्तीर्ण 10वीं व 12वीं के छात्रों व छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि का संबोधन हुआ। जिसमें उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन किया और शुभकामनाएं दी। उनका उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में अन्य अतिथियों द्वारा भी बच्चों का मार्गदर्शन किया गया और वार्षिकोत्सव की प्रशंसा हुई,मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह होरा ने कहा कि आज का कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा और इस कार्यक्रम से जुड़े हुए सभी लोगों ने कड़ी मेहनत की है इसकी झलक साफ दिखाई दे रही है। विक्रांत यूनिवर्सिटी के कुलपति राकेश सिंह राठौड़ ने कहा कि उन्होंने बड़े-बड़े शहरों में इस तरह का कार्यक्रम देखा किंतु ग्रामीण क्षेत्र में ऐसा कार्यक्रम प्रशंसनीय है और प्रेरणाप्रद भी है। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति के क्रम में स्कूल की प्रधानाध्यापिका निशा उपाध्याय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देकर कार्यक्रम का समापन हुआ।

दो दिवसीय मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

मंडलीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता में जुटें चार जिलों के खिलाड़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग की 46 वीं मंडल स्तरीय दो दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता

जौनपुर के आतिथ्य में बी.आर.पी.इन्टर कालेज के मैदान में शुरू हुई। मुख्य अतिथि मा0 सदस्य विधान परिषद उ0प्र0 श्री बृजेश सिंह प्रिंसू, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा व समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) वाराणसी मण्डल उमेश कुमार शुक्ला और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने अतिथियों को बुके प्रदान कर, बैच लगाकर और कैप पहनाकर स्वागत किया। अतिथियों ने ध्वजारोहण कर और गुब्बारे को आकाश में छोड़कर व मशाल जलाकर धावक बिन्दु पटेल को प्रदान कर प्रतियागिता का शुभारंभ किया। इसके साथ ही मुख्य अतिथि ने उपस्थित लोगो को खेल की शपथ भी दिलायी।

तेजीबाजार पुलिस ने शातिर चोर को बाइक, तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ.अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन मे अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर व

थानाध्यक्ष तेजीबाजार के नेतृत्व में थाना तेजीबाजार पुलिस टीम द्वारा दिनांक 12.12.2024 को समय करीब 20.15 बजे ऊदपुर नहर की पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्तियों व संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान। अभियुक्त 1. जयदीप यादव पुत्र रामचरित्र यादव निवासी ग्राम सरौली थाना तेजीबाजार जनपद जौनपुर (19 वर्ष)। बरामद 1. स्पेलण्डर प्लस रंग काला बिना नम्बर प्लेट, चेचिस नम्बर MBLHAR084HHBG4907 और इंजन नम्बर HA10AGHHB76139 व 01 तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर। पंजीकृत अभियोग 1. मु0अ0सं0 0242/24 धारा धारा 317(2)/317(5) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना तेजीबाजार, जनपद जौनपुर। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गरीब असहायों की सेवा करना भगवान की पूजा से बढ़कर: हंसराज विश्वकर्मा

एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने गरीब असहायों को वितरित किया कंबल

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जनपद के रोहनिया विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कंचनपुर स्थित अपने आवास पर शुक्रवार को जनसुनवाई के उपरांत ठंड से राहत पाने के लिए सफाई कर्मियों तथा क्षेत्र के आए हुए गरीब असहायों को कंबल वितरण किया। कंबल पाकर गरीबों के चेहरे पर मुस्कान छा गई। इस दौरान विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि गरीब असहायों की सेवा करना भगवान की पूजा से बढ़कर है। इस अवसर पर मुख्य रूप से गोविंद दास गुप्ता, केशव यादव, गोपाल पटेल,उमेश विश्वकर्मा उर्फ गोलू ,अजय विश्वकर्मा, सुधीर वर्मा उर्फ राजू, रामचंद्र गौतम

,जितेंद्र केसरी, बाबा सिंह, बिहारी पटेल, राकेश राजभर इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के तीसरे वर्षगांठ पर शिवमय हुई काशी

शहर की सड़कों पर गूंजती रही हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरीडोर के तीसरे वर्षगांठ के मौके पर पूरी काशी शिवमय नजर आयी। काशी विश्वनाथ धाम ट्रस्ट की ओर से शहर के मैदागिन से बाबा धाम तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल अड़भंगी साधु-संयासी और भूत-पिशाच नाचते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा में प्रयागराज के महाकुंभ की झलक श्रद्धालुओं के आकर्षण केन्द्र रही। शोभायात्रा में शामिल कलाकारों ने विभिन्न स्वांगों में निकले तो सेल्फी लेने वालों का तांता लग गया। अग्नि-शस्त्र लेकर मां काली के रूप में कलाकारों ने अद्भूत प्रदर्शन किया। नरमुंड पिशाच बने बाबा के गणों ने सड़क पर तांडव किया तो हर तरफ अग्नि और राख का गुबार देखने को मिला।

भोलेनाथ व काली मां के स्वरूप डमरु व त्रिशूल की थाप पर आग उगल रहे, 101 डमरू दल का शंखनाद माहौल का भक्तिमय बना रहा था। शोभायात्रा में अमृत कलश और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाबा भोलेनाथ का महाकुंभ से गहरा रिश्ता और कुंभ का महत्व दशार्या गया। शोभायात्रा मैदागिन से उठकर बुलानाला, आसभैरव, चौक, बांसफाटक, गोदौलिया, डेढ़सी के पुल होते हुए दशाश्वमेध स्थित चितरंजन पार्क पहुंचकर समापन किया गया।

इस भव्य शोभा यात्रा की शुरूआत शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर की। हिंदू वाहिनी के अम्बरीश सिंह भोला विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। शोभा यात्रा में विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, जैसे केशरवानी समाज, स्वतंत्र स्काउट्स दल, श्री काशी अग्रवाल समाज और अन्य कई संगठनों ने न सिर्फ भाग लिया, बल्कि पानी, शर्बत और पुष्प वर्षा की भी व्यवस्था की। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं गुलाबी और पीले साफे पहनकर शोभा यात्रा में शामिल हुईं, जिससे गुलाबी और पीले रंग की छटा पूरे आयोजन में बिखर गई।

शिव-पार्वती और राधा-कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुतियों ने यात्रा को और भी जीवंत बना दिया। नीलकंठ महादेव और काली मां के अद्भुत रूपों ने श्रद्धालुओं को विशेष आकर्षित किया। झांकियों के माध्यम से बाबा विश्वेश्वर (श्री काशी विश्वनाथ) का महाकुम्भ से रिश्ता और महात्म का शानदार प्रस्तुति भी लोगों को बरबस अपनी ओर खींचती रही। शिव - पार्वती, राधा - कृष्ण बने कलाकारों का नृत्य अलग ही अंदाज में उत्सव को चटक बना रहा था। शोभायात्रा में विषपान करते नीलकंठ महादेव और अमृत की लालसा में महाकुम्भ प्रस्थान करने का अन्दाज कुछ अलग ही रंग घोल रहा था। काली मां बने कलाकार का परम्परागत नृत्य अपने अलग अन्दाज में दिखा। पूरे शोभायात्रा में शहर के सभी नामी बैंड बाजाओं में प्रतिस्पर्धा की होड़ लगी थी। सभी देश के मशहूर मनमौजी बाबा भगवान के रौद्र रूप का दर्शन कराते नजर आ रहे थे।

शोभा यात्रा में शिव बारात समिति के संयोजक दिलीप सिंह, संरक्षक आर.के. चौधरी, और महिला विंग की प्रभारी वंदना रघुवंशी ने आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। मार्ग में स्थानीय बैंड और धार्मिक संगीत ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। अंत में चित्तरंजन पार्क पर यात्रा का समापन हुआ, जहां अविरल गंगा स्पोर्ट्स सोसाइटी ने सभी अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। पूर्वांचल के मशहूर धार्मिक बैंड पागल बाबा के भजनों की प्रस्तुति भी अलग अंदाज में रही। रास्ते में सामाजिक संस्थाओं ने पानी शर्बत पिलाने के साथ शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा भी किया।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखकर की बांग्लादेश हिंसा में हस्तक्षेप करने की मांग

मुंबई। बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। जिसे लेकर मुंबई के हिंदू विचारकों के साथ ही मुंबई यूनिवर्सिटी के हिंदू स्टडीज के छात्रों ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखकर उनके हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि वहा के मंदिर और हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है। बेवजह उनके साथ मारपीट और अन्य प्रकार की हिंसा की जा रही है जो की मानवता के लिए शर्मशार कर देने वाली घटना है। साथ ही इसमें संत चिन्मय दास और उनपर हो रहे अत्याचार का जिक्र किया गया है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव से मांग की गई है कि मानवीय आधार पर वह इसमें हस्तक्षेप करे। और बांग्लादेश में हिंदू हित की रक्षा की जाए। इस मामले में इस मुद्दे को लीड करनेवाले एडवोकेट नित्यानंद शर्मा ने कहा है की हमने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को पत्र लिखकर इस दुखद घटना में हस्तक्षेप करने की मांग की है।आगजनी ,महिला और बच्चो पर होनेवाली बर्बरता को रोका जाए। मानवता को शर्मशार कर देनेवाली घटना पर जल्दी नकेल लगाया जाए।

विद्या ठाकुर पुन: विधायक बनने पर दी बधाई

मुंबई। गोरेगांव विधानसभा के विधायक विद्या ठाकुर को लगातार तीसरी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह,देवदास मुरजंन सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा।आप लोगों की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

युवक का अधजला शव मिलने से परिजनों में मातम

परिजनों ने लगाया हत्या का गंभीर आरोप पुलिस ने संदिग्ध को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी

-शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर। कोतवाली क्षेत्र के सुरिस गांव निवासी युवक की शुक्रवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मौत हो गई। अचेतावस्था में युवक को उसके कुछ साथी गांव के पास स्थित एक अस्पताल ले गए। जहां उसे डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना मिली तो तत्काल शव को कोतवाली लाया और विधिक कार्रवाई में जुट गई। विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया। जानकारी मिलने पर परिजन कोतवाली पहुंच गये लेकिन शव पहले ही जौनपुर भेजी जा चुकी थी। इसके बाद पर भीड़ आक्रोशित हो गई। जानकारी के मुताबिक सुरिस गांव निवासी अजीत गौतम पुत्र राम आसरे लखनऊ बलिया राजमार्ग के किनारे एक तालाब का देखभाल करता था। जहां पर अचेतावस्था में पड़ा था। कुछ युवकों ने उसे देखने के बाद नजदीक के अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना होने पर तत्काल पुलिस पहुंचकर अपनी विधिक कार्रवाई में जुड़ गई। परंतु मृत्यु के कारण का पता नहीं चला। क्षेत्राधिकार अजीत सिंह चौहान ने बताया कि प्रथम द्रष्टया मौत का कारण विद्युत करंट का प्रतीत होता है। मृतक के हाथ और पेट का हिस्सा काफी झुलसा है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही वजह पता चल पाएगा। कुछ संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। उधर परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उन्हें गलत सूचना दी और परिजनों को गुमराह किया गया हकीकत पर पर्दा डाला गया।

शाहगंज में रामलीला मैदान पर हो रहा है अवैध कब्जा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज में श्री रामलीला समिति ने रामलीला मैदान में अवैध कब्जे करके निर्माण कराने का आरोप लगाया है। समिति का आरोप है कि उक्त भूभाग पर राजस्व विभाग ने नक्शा पास कर दिया ' जबकि उक्त मामला अदालत में विचाराधीन है और अदालत ने इस पर स्थगन आदेश भी दिया है। तहसीलदार से मुलाकात कर समिति के पदाधिकारियों ने आपत्ति दर्ज कराई और तत्काल नक्शा निरस्त करते हुए निर्माण कार्य को ध्वस्त कराने की मांग की। तहसीलदार आशीष कुमार सिंह से शुक्रवार को श्रीरामलीला समिति के संरक्षक गण और अध्यक्ष संदीप जायसवाल के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारी गण मिलने पहुंचे। उन्हे एसडीएम को संबोधित प्रार्थना पत्र सौंपा। प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते 28 नवंबर को समिति के पदाधिकारियों ने रामलीला मैदान स्थित मेला क्षेत्र में न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद हो रहे अवैध निर्माण के सम्बन्ध में प्रार्थना-पत्र दिया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य युद्धस्तर पर रात-दिन जारी है। पदाधिकारियों का कहना है कि अवैध निर्माण करा रहे पक्ष ने अवैध तरीके से तथ्यों को छिपाते हुए उक्त भूभाग पर हो रहे निर्माण का नक्शा भी पास करा लिया है। इससे समिति के सदस्यों और पदाधिकारियों समेत नगर की जनता में भारी आक्रोश है। निर्माण कार्य जारी रहने की सूचना बीते 10 दिसंबर को भी दी गई लेकिन अभी भी निर्माण कार्य जारी है। समिति ने तत्काल प्रभाव से स्वीकृत नक्शे को निरस्त करने और अवैध निर्माण कार्य को ध्वस्त कराने की मांग की जिसमें प्रमुख रूप से संरक्षक श्री रामलीला समिति सीताराम अग्रहरि, अमरनाथ गुप्ता, शिवकुमार अग्रहरि, अनिल कुमार अग्रहरि, मंडल अध्यक्ष भाजपा शाहगंज चिंता हरण शर्मा, घनश्याम जायसवाल संदीप साहू, कमलेश अग्रहरि, कालीचरण जायसवाल, महेंद्र कुमार वर्मा, उमेश चंद जायसवाल अर्पित जायसवाल, मोहम्मद अब्बास, सर्वेश चौरसिया, श्रवण कुमार अग्रहरी, विक्की कुमार, अजेंद्र अग्रहरि, शुभम केसरवानी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास प्रबंध करे सरकार

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास के लिए सभी जिलों में उचित शैक्षिणक व चिकित्सा सुविधाओं का प्रबंध करने का निर्देश दिया है। एटा के एक सरकारी स्कूल में अध्यापिका के तौर पर कार्यरत शिवानी नाम की एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अजय भनोट ने यह आदेश पारित किया। महिला ने नोएडा या गाजियाबाद के किसी स्कूल में स्थानांतरण की मांग की है। अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता का बेटा ह्यऑटिज्म' से पीड़ित है और ऐसे बच्चों के इलाज के लिए एटा में बहुत उन्नत सुविधाएं नहीं हैं। इस तरह के बच्चों के इलाज के लिए नोएडा या गाजियाबाद में अच्छी सुविधाएं हैं, इसलिए मानवीय आधार पर तबादले का उनका अनुरोध स्वीकार किया जाए। इस पर अदालत ने कहा कि जैसा कि प्रदेश के कई जिलों में उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, प्रदेश सरकार को सभी जिलों में दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास के लिए उचित शैक्षणिक व चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी के वकील ने अदालत को बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद के पास चिकित्सा आधार पर नोएडा या गाजियाबाद तबादला करने के लिए अनुरोध पत्रों का ढेर लगा है और इन सभी अनुरोधों को मानना असंभव है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र उपाध्याय का समरस ने किया सम्मान

जौनपुर। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज सूरत, गुजरात के वरिष्ठ पत्रकार तथा सुंदरम भारत के संपादक श्री राजेंद्र उपाध्याय का बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित उनके पैतृक गांव रमनीपुर में सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव पत्रकार शिवपूजन पांडे ने अंगवस्त्रम द्वारा उनका सम्मान किया। पिछले 25 सालों से पत्रकारिता जगत में सक्रिय राजेंद्र उपाध्याय अपने निर्भीक लेखनी और बेदाग पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं ' ताप्ती गंगा समाचार पत्र के संस्थापक संपादक के रूप में उन्होंने लंबी सेवाएं दी। दैनिक समाचार पत्र लोकतेज के वरिष्ठ पत्रकार के रूप में भी कार्यरत हैं ।

महाकुंभ की तैयारी मे डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्हें उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मेला स्थल पर 24 घंटे चिकित्सकों की तैनाती की जा रही है। प्रयागराज में करीब छह हजार बेडों की व्यवस्था की गई है। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। वे शुक्रवार को प्रयागराज में अगले वर्ष आयोजित होने वाले महाकुंभ के लिए स्थापित की गईं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले वर्ष 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में किया जा रहा है। इस दौरान करीब 46 करोड़ लोग महाकुंभ में आएंगे। उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। डिप्टी सीएम ने परेड स्थल पर स्थापित किए गए 100 शैय्या युक्त अस्पताल का निरीक्षण किया।

एकनाथ शिंदे के ढ़ाई साल के कार्यकाल पर जनता ने जताया है भरोषा: विक्रम प्रताप सिंह

मीरा रोड। (उत्तर शक्ति)। वर्तमान सरकार सभी समाज व सभी धर्म के लोगों के विकास तथा उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। क्योंकि पिछले ढाई साल में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जिस तरह से विकास का कार्य तथा कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करके बेहतर ढंग से समाज की प्रति अपनी भूमिका अदा की है, उसी का परिणाम है कि इस बार की विधानसभा चुनाव में गठबंधन ने 200 का आंकड़ा पार किया है। उक्त बातें शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह व विधानसभा प्रमुख मीरा भायंदर ने उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संपादक से हुई एक मुलाकात के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे की नीतियों व उनकी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता ने पूरी तरह उठाया और उन्ही के द्वारा किये गये कुशल कार्य को देखते हुए दोबारा जनता ने विश्वास किया और सेवा करने का मौका दिया है। श्री सिंह ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने पूरे प्रदेश में सभी सहयोगी संगठन के लोगों को साथ लेकर एक मिसाल कायम किया है, और आगे भी इसी तरह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मिलकर विकास कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। मीरा भायंदर क्षेत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले ढाई साल में पूरे मीरा भायंदर ईस्ट-वेस्ट में विकास कार्य तीव्र गति से हुआ है। आगे भी मेरा प्रयास रहेगा की जनता की मूलभूत सुविधाओं को देखते हुए जो आवश्यकता है उसे शीघ्र पूरा किया जाएगा।

आगे उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है उसके प्रति मै खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इसके पूर्व मुझे मनोनीत नगर सेवक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसे मैं ईमानदारी पूर्वक निर्वाह किया। इस समय उत्तर प्रदेश, हरियाणा का संपर्क प्रमुख बनाया गया है। मैं प्रयास करूंगा कि इस जिम्मेदारी को भी बखूबी निर्वहन करते हुए पार्टी और संगठन को आगे बढ़ाऊंगा, और मजबूत करूंगा।

अल्ट्रावायलेट मोटरसाइकिल अब मुंबई में

मुंबई। भारत की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बनाने वाली अग्रणी कंपनी, अल्ट्रावायलेट ने अपने दो एक्सपीरियंस सेंटर मुंबई और कोयंबूटूर में खोलते हुए अपना देशव्यापी विस्तार शुरू कर दिया है। इन दोनों अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटरों में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जहां ग्राहकों को, ब्रैंड की नई टेकनोलोजी देखने का अवसर मिलेगी।

कोयंबटूर यूवी स्पेस स्टेशन का उद्घाटन 12 दिसंबर को जबकि मुंबई सेंटर की शुरूआत 13 दिसंबर को की गई। यह दोनों शुरूआत अल्ट्रावायलेट के समर्पण की ओर इशारा करते हैं जो देशभर के ग्राहकों को सस्टेनेबल और परफार्मेंस मोबिलिटी साल्यूशन उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। अल्ट्रावायलेट के सह-संस्थापक और सीईओ, नारायण सुब्रामणियम ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा, हमें अल्ट्रावायलेट के इस नए एक्सपीरियंस सेंटर को देश के वित्तीय राजधानी मुंबई में खोलते हुए बहुत खुशी हो रही है, यह हमारे लिए एक यादगार क्षण हैं। मुंबई हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, इस नए लांच के साथ यह तय हो गया है कि हम हाई पर्फार्मेंस इलेक्ट्रिक वाहनों को लोगों को उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। हमें इस बात को लेकर काफी उत्साह है कि मुंबई के ग्राहकों के लिए एफ 77 मैक 2 लेकर आए हैं और उम्मीद करते हैं कि इस मोटरसाइकिल के परफार्मेंस, टेकनोलोजी और आधुनिक निर्माण को लेकर ग्राहकों को एक नए तरह का अनुभव होगा।

इस एक्सपीरियंस सेंटटर में ग्राहकों को अल्ट्रावायलेट की शानदार मोटर साइकिल एफ 77 मैक2 का एक अनोखा अनुभव प्राप्त होगा। मैक 2 ने अपने शक्तिशाली 40.2 हार्सपावर और 100 एनएम टार्क, और सिर्फ 2.8 सेकेंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने की खासियत इलेक्ट्रानिक वाहनों के पर्फार्मेंस को एक नए ढंग की परिभाषा देने की कोशिश की गई है। इसमें 10.3 केडब्लूएच की बैटरी लगी हुई है और यह एक बार के रिचार्ज में 323 किमी की आईडीसी रेंज तक जा सकती है। मोटर साइकिल में और भी तमाम खूबियां हैं जैसे- एलईडी लाइटिंग, टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, मल्टीपिल राइड मोड, स्विच वाले ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम और भी बहुत सी चीजें नए ढंग की देखने को मिलेंगी।

अल्ट्रावायलेट के सहसंस्थापक और सीटीओ नीरज राजमोहन का कहना है, ₹हमारा विजन अल्ट्रावायलेट के माध्यम से न सिर्फ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल तैयार करना है, बल्कि हमारा लक्ष्य एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है जिसमें नई खोज हो, सस्टेनेबिलिटी हो और अच्छा पर्फार्मेंस भी हो। हमारे एक्सपीरियंस सेंटर हमारी सोच के परिणाम हैं। हम यूवी बेस पर मुंबई के अपने ग्राहकों को एक सर्विस सपोर्ट उपलब्ध करा रहे हैं और अब हम एक 3 एस सुविधा की शुरूआत करते हुए न सिर्फ अपना फूटप्रिंट मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं, बल्कि ग्राहकों को भी एक नया अनुभव प्रदान कर रहे हैं।

महिला भिखारी के पास मिले 75 हजार रुपए 10-12 दिनों में भिक्षा मांगकर जुटाए, कमाई सुन अधिकारी रह गए सन्न

रीवा (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग ने 14 भिक्षुओं को पकड़ा. एक महिला के पास से 75,000 रुपए मिले,जो उसने 10-12 दिनों में भिक्षा मांगकर जुटाए थे। सभी भिक्षुओं को उज्जैन के सेवा धाम आश्रम भेजा गया है। जहां काउंसलिंग के जरिए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग ने बड़ा अभियान चलाते हुए 14 भिक्षुओं को पकड़ा है। इस कार्रवाई में राजवाड़ा के शनि मंदिर के पास भीख मांग रही एक महिला के पास से 75 हजार रुपये बरामद हुए। जिसे उसने 10-12 दिनों में इकट्ठा किया था। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर यह अभियान फरवरी से चल रहा है। इसके तहत शहर के विभिन्न इलाकों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भिक्षा मांगने वाले लोगों को पकड़कर उज्जैन के सेवा धाम आश्रम भेजा जा रहा है। परियोजना अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि उनकी टीम ने राजवाड़ा स्थित शनि मंदिर के पास भीख मांग रही एक महिला को पकड़ा. उसने अपनी साड़ी में 75 हजार रुपये छुपाए थे। यह राशि उसने 10-12 दिनों में भिक्षा मांगकर जमा की थी।महिला इंदौर के पालदा इलाके की रहने वाली है। महिला बाल विकास विभाग ने सभी भिक्षुओं को उज्जैन के सेवा धाम आश्रम भेज दिया है। वहां उनकी काउंसलिंग की जा रही है। ताकि उन्हें भिक्षावृत्ति छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। परियोजना अधिकारी ने बताया कि शहर में कुछ ऐसे परिवार हैं। जो बार-बार पकड़े जाने के बावजूद भिक्षावृत्ति में लिप्त हैं। अभियान के तहत इन पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

देर रात ट्रक में पीछे से घुसी स्विफ्ट कार एक की मौत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जनपद के बिलरियागंज थाना अंतर्गत पटवध सरैया बाजार स्थित शिव मंदिर के पास बृहस्पतिवार को रात लगभग 11:00 बजे आजमगढ़ जा रही स्विफ्ट कार सामने जा रही ट्रक में घुस गई जिससे कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जीयनपुर कोतवाली निवासी बाबूलाल जायसवाल, गुलाब जायसवाल, सुनील श्रीवास्तव तथा राधेश्याम यादव अपनी स्विफ्ट कार से बिलरियागंज स्थित सरवन यादव की माता जी की तेरहवीं भोज से वापस लौट कर मरीज देखने आजमगढ़ किसी निजी अस्पताल जा रहे थे कि रास्ते में पटवध सरैया स्थित शिव मंदिर के पास पहुंचते ही

कार सामने से जा रही ट्रक में पीछे से घुस गई। जिससे कार सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इस कदर थी की कार ट्रक के पीछे 200 मी घसीटते हुए चली गई। ट्रक चालक ने ट्रक को रोका और कार को निकालने का प्रयास किया लेकिन कार नहीं निकली। तेज आवाज सुनकर बाजार वासी भी मौके पर पहुंच गए सूचना पर पहुंची बिलरियागंज पुलिस ने जेसीबी मंगवा कर ट्रक के पीछे से कार को बाहर निकलवाया। चारों घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने सुनील श्रीवास्तव को मृत घोषित कर दिया। वही राधेश्याम यादव को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस मौके से ट्रक को अपने कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही में जुटी है।

नए उद्यमियों को उत्पाद की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देना चाहिए

मुंबई। उन्नत प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और समाधानों को प्रदर्शित करने वाली प्रमुख बी2बी औद्योगिक प्रदर्शनी '21वीं महाटेक 2024' का आयोजन 14 दिसंबर तक सिडको एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, वाशी, नवी मुंबई में हो रहा है। 150 से अधिक कंपनियाँ इस भव्य प्रदर्शनी में भाग ले रही हैं। इस अवसर पर नए उद्यमियों को मार्गदर्शन करते हुए श्री बालकृष्ण शिर्के, डायरेक्टर, एक्सेल एनक्लोजर, पुणे, और वाशी महाटेक 2024 के गोल्ड स्पॉन्सर ने कहा कि नए उद्यमियों को पैसे से ज्यादा उत्पाद की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि मैंने अपना व्यवसाय 2002 में शुरू किया और शुरूआत से ही उत्पाद की गुणवत्ता को प्राथमिकता दी। 2008 से, हम हर महाटेक इवेंट में भाग ले रहे हैं। महाटेक ने मेरे व्यवसाय की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम महाटेक दुबई में भाग लेने की भी योजना बना रहे हैं।इस अवसर पर प्रदर्शनी में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्व में सुजाता सोपारकर, प्रेसिडेंट, टीएसएसए और मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी प्रा. लि, गौरी मराठे जोशी, डायरेक्टर, महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज डायरेक्टरी, सुमुख मराठे, डायरेक्टर, महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज डायरेक्टरी, वैशाली मराठे शामिल थे। महाटेक एक विशेष बी2बी औद्योगिक प्रदर्शनी है जिसे छह उत्पाद श्रेणी पवेलियन में विभाजित किया गया है, जो कॉरपोरेट्स और छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए आयोजित की गई है। यह इंजीनियरिंग, मशीनरी, प्रोसेस उपकरण, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन और ऑटोमेशन जैसे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल करती है। सुमुख मराठे, डायरेक्टर, महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज डायरेक्टरी, ने बताया कि ₹जब मेरे पिता ने हनोवर मेस्से, दुनिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी देखी, तो उन्होंने भारत में ऐसा ही आयोजन करने का फैसला किया। उन्होंने यह सपना 2004 में साकार किया, और पिछले 21 वर्षों से यह पुणे में आयोजित हो रही है, जहां लगभग 20,000 से 25,000 उद्यमी आते हैं। यह पहली बार है जब हम इसे वाशी में आयोजित कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि इन तीन दिनों में लगभग 10,000 उद्यमी आएंगे।

डॉ अजय पाल शर्मा का अपराधियों पर चला हंटर, 22 महीने में 94 एनकाउंटर

-शिव पूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

जौनपुर। अपराध पर तब तक प्रभावी लगाम नहीं लगता, जब तक अपराधियों के मन में कानून को लेकर खौफ न हो। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज, जौनपुर के पुलिस अधीक्षक आइपीएस डॉ. अजय पाल शर्मा अपराधियों के लिए काल साबित हुए हैं। अबतक के अपने 22 महीना 13 दिन के सफल कार्यकाल में जौनपुर जनपद की पुलिस ने उनके मार्गदर्शन में 94 एनकाउंटर किए हैं, जिसमें कुख्यात शातिर बदमाश आनंद सागर यादव, बिहार के बाहुबली सहाबुद्दीन गैंग के लिए काम करने वाले सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी तथा एक लाख के इनामी बदमाश प्रशांत सिंह प्रिंस व गौतस्कर निशार अहमद को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया। 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ अजय पाल शर्मा अभी तक 250 से अधिक अपराधियों का एनकाउंटर कर चुके हैं । सहज स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी डॉक्टर अजयपाल शर्मा प्रतिदिन दो घंटे जनता की समस्या सुनते और निवारण करने के साथ धर्म और अध्यात्म में आस्था रखते हैं।

एक फरवरी 2023 को जौनपुर की कमान संभालने वाले डॉक्टर अजय पाल शर्मा का जनपद से अपराध और अपराधियों का सफाया करना मिशन रहा। इसी महीने में पदोन्नति के साथ पुलिस उप महानिरीक्षक बनने जा रहे हैं ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि जाते-जाते वे जनपद में एनकाउंटर का शतक लगाकर जाएंगे। सहारनपुर में ट्रेनी के बाद डॉ अजय पाल शर्मा को

जुलाई, 2013 में जनपद मथुरा में डीएसपी के पद पर तैनात किया गया था। सीओ वृन्दावन और सीओ रिफाइनरी और सीओ सिटी के बाद उन्हें एएसपी बनाया गया। इसी दौरान डॉ अजय पाल शर्मा ने दिल्ली पुलिस के लिये सिर दर्द बने बहुचर्चित उबर रेपकांड का खुलासा करते हुए आरोपी ड्राइवर शिवकुमार को अरेस्ट कर लिया था। पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते रेपकांड के आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जिस जनपद में उनकी तैनाती होती है ,वहां आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करने लगता है। उनकी कार्यशैली से अपराधियों के मन में खौफ देखने को मिलता है। किसी एक जनपद में 94 मुठभेड़ करने वाले वे इकलौते आईपीएस अधिकारी हैं। आईपीएस बनने से पहले उन्होंने डेंटिस्ट की डिग्री ली थी। कहते हैं कि वह मरीजों के दांत का इलाज भले न कर पाए हो परंतु अपराधियों के दांत जरूर खट्टे कर दिए अजय पाल शर्मा आईपीएस बनने के बाद उनकी पहली पोस्टिंग सहारनपुर में थी। दूसरी पोस्टिंग मथुरा में थी।

अजय पाल शर्मा जब शामली के एसपी थे, तब भी उन्होंने कई एनकाउंटर किए। योगी सरकार में उनके एनकाउंटरों की तारीफ भी हुई। उसके बाद उन्हें नोएडा जैसे शहर का एसएसपी बनाया गया। रामपुर के एसपी पद पर तैनात रहते हुए वे आजम खान पर कार्रवाई के लिए काफी चर्चित हुए। यहां अजय पाल शर्मा ने एक 6 साल की बच्ची से रेप और हत्या के आरोपी को एनकाउंटर में गिरफ्तार किया था।गाजियाबाद एसपी सिटी रहते हुए डॉ अजय पाल शर्मा ने सबसे बड़े सट्टा माफिया चतुर्भुज गुप्ता उर्फ चतुरा पर कार्रवाई करते हुए उसे जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया था और प्रशासन के साथ मिलकर चतुरा की तकरीबन 350 करोड़ रुपए की काली कमाई की सम्पत्ति को जब्त करवाया। यही उन्होंने एनकाउंटर की शुरूआत करते हुए 50 हजार के इनामी बदमाश फिरोज उर्फ पव्वा को मुठभेड़ में मार गिराया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री डॉ अजय पाल शर्मा को क्राइम कंट्रोल के चलते सम्मानित कर चुके हैं। एनकाउंटर का अपना ही रिकॉर्ड बार-बार तोड़ रहे डॉ अजय पाल शर्मा किस मुकाम पर रुकेंगे कहा नहीं जा सकता।